R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 125
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 12 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 घर के लोगों को अच्छे संस्कार सिखाना जरूरी ...
5 ईश्वर में अनुरक्ति ही वास्तविक भक्ति : पन्नालाल
7 उदयपुर में नूपुर सैनन-स्टेबिन बेन की ग्रैंड वेडिंग

मध्य प्रदेश के आगर मालवा में नशीले पदार्थों की अवैध फैक्टरी का भंडाफोड़, 10 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्त

भोपाल **(एजेंसी)**। पुलिस ने मध्य प्रदेश के आगर मालवा जिले में अवैध रूप से नशीले पदार्थ बनाने वाली इकाई का भंडाफोड़ कर करीब 10 करोड़ रुपये की मेफेड्रोन जब्त की है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह फैक्टरी जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर इंदौर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग के पास एक फार्महाउस में संचालित की जा रही थी। केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो

(सीबीएन) की उज्जैन इकाई के अधीक्षक मुकेश खत्री ने बताया कि सीबीएन को खुफिया सूचना मिली थी कि आमला गांव स्थित तीर्थ हर्बल नर्सरी फार्महाउस में मेफेड्रोन का निर्माण किया जा रहा है और किसी व्यक्ति द्वारा बड़ी खेप लेने आने की संभावना है।

उन्होंने बताया कि उज्जैन, जावरा और नीमच इकाइयों की संयुक्त टीम ने तड़के करीब चार बजे मौके पर पहुंचकर परिसर को चारों ओर से घेर लिया और तलाशी अभियान शुरू किया लेकिन सुबह 10 बजे तक कोई भी व्यक्ति खेप लेने नहीं पहुंचा। खत्री ने बताया कि तलाशी के दौरान 31.25 किलोग्राम मेफेड्रोन जब्त की गई जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 10 करोड़ रुपये आंकी गई है तथा इस दौरान मादक पदार्थ बनाने में प्रयुक्त करीब 600 किलोग्राम रसायन जब्त किए गए। खत्री और सीबीएन के एक अन्य अधिकारी वी.एस. कुमार ने बताया कि मौके से कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

ओडिशा की भाजपा सरकार ने किसानों के साथ धोखा किया : नवीन पटनायक

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। बीजू जनता दल (बीजद) के अध्यक्ष नवीन पटनायक ने ओडिशा सरकार पर किसानों के साथ ''धोखा'' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को अपनी धान की फसल सरकारी मंडियों में बेचने के लिए खुले आसमान के नीचे ठंडी रातें बिताने को मजबूर होना पड़ रहा है।

पटनायक ने शनिवार को सोशल मीडिया पर आरोप लगाया, ''राज्य में धान खरीद की पूरी व्यवस्था चरमरा गई है। इससे किसान शोषित और बेबस महसूस कर रहे हैं और सरकार से ही निराश हो गए हैं। कड़ाके की ठंड में किसान मंडियों में अपनी मेहनत की फसल की रखवाली करते हुए रातें गुजार रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि अब किसान राष्ट्रीय राजमार्गों पर प्रदर्शन कर रहे हैं और धान की सुचारू खरीद की मांग कर रहे हैं। पटनायक ने सवाल किया, ''आखिर सरकार किसानों का धान कब खरीदेगी?''

उन्होंने ये आरोप एक दिन पहले भी लगाए थे और 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नीति को लेकर लोगों को हो रही परेशानियों के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराया था। पटनायक ने आरोप लगाया कि राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) नियमों को लागू करने में पूरी तरह नाकाम रही है।

उन्होंने कहा, ''भाजपा की डबल इंजन सरकार किसानों से कई वादे करके सत्ता में आई थी। लेकिन सत्ता में आने के बाद क्या वे सारे वादे बेकार हो गए? धान खरीद पर बोनस देने की घोषणा से लेकर किसानों को सपने दिखाने तक, सरकार ने हर कदम पर किसानों को निराश ही किया है।

मणिपुर में गोलीबारी की घटनाओं के संबंध में दो उग्रवादी गिरफ्तार

इम्फाल **(एजेंसी)**। मणिपुर के इंफाल पश्चिम जिले में दो दिन पहले हुई गोलीबारी की घटनाओं के संबंध में एक प्रतिबंधित संगठन के दो उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रतिबंधित केसीपी (नोयोन) के दो सदस्यों को शनिवार को जिले के सगोलबंद और फुमलू इलाकों से गिरफ्तार किया गया। लांगजिंग अचोबा, घारी और संगाइप्रौ इलाकों में नौ जनवरी को गोलीबारी की घटनाएं हुई थीं।

अधिकारी ने बताया कि मणिपुर पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान चलाया और क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया। उन्होंने कहा, ''गोलीबारी में संलिप्तता साबित होने के बाद दोनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से गोलियों से भरी एक एम-20 पिस्तौल बरामद की गई।''

अधिकारी ने बताया कि ये दोनों पहले भी गोलीबारी की कम से कम आठ घटनाओं में शामिल रह चुके हैं। पुलिस ने कहा कि एक अलग अभियान में सुरक्षाबलों ने शनिवार को कांगपोकपी जिले के अवलमुन गांव से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में गरजे पीएम मोदी

बोले- आक्रांता मिट गए, पर हमारा सोमनाथ आज भी अडिग है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोमनाथ मंदिर में आयोजित भव्य 'स्वाभिमान पर्व' में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान सोमनाथ की पूजा-अर्चना की और एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। यह अवसर इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि यह महमूद गजनवी द्वारा मंदिर पर किए गए पहले हमले (साल 1026) के 1, 000 साल पूरे होने पर मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा कि सोमनाथ का इतिहास केवल विनाश का नहीं, बल्कि हर बार गिरकर फिर से खड़े होने और विजय का इतिहास है। उन्होंने कहा कि आज सोमनाथ के मंदिर पर लहराता ध्वज पूरी दुनिया को भारत की शक्ति और सामर्थ्य का परिचय दे रहा है।

पीएम मोदी ने भावुक होते हुए कहा कि एक हजार साल पहले हमारे पूर्वजों ने अपनी आस्था और महादेव के लिए अपनी जान की बाजी लगा दी थी। उन्होंने कहा, 'जब गजनी से लेकर औरंगजेब तक तमाम हमलावर सोमनाथ को नष्ट कर रहे थे, तो उन्हें लगा था कि उनकी तलवारें सनातन को जीत लेंगी। लेकिन वे यह नहीं समझ पाए कि सोमनाथ का अर्थ ही 'अमृत' है, जिसे मिटाया नहीं जा सकता।'

प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि आज जहाँ हमले के 1, 000 साल हो रहे हैं, वहीं मंदिर के आधुनिक पुनर्निर्माण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं।

अपने संबोधन में पीएम मोदी ने पूर्ववर्ती सरकारों और गुलामी की मानसिकता रखने वाले लोगों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी कुछ लोगों ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण को रोकने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि जब सरदार वल्लभभाई पटेल ने मंदिर बनवाने का संकल्प लिया, तो उन्हें भी बाधाओं का सामना करना पड़ा।

डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जिक्र करते हुए पीएम ने बताया कि 1951 में जब तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद मंदिर आए थे, तब भी उन पर आपत्तियां जताई गई थीं। उन्होंने कहा कि तुष्टीकरण के ठेकेदारों ने हमेशा भारत की सांस्कृतिक विरासत को दबाने की कोशिश की।

इस उत्सव की भव्यता का वर्णन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 1, 000 ड्रोन द्वारा दिखाई गई सोमनाथ की गाथा, 108 घोड़ों की शौर्य यात्रा और 72 घंटों तक लगातार चलता मंत्रोच्चार मंत्रमुग्ध कर देने वाला रहा। उन्होंने कहा कि यह पर्व केवल बीते हुए समय का स्मरण नहीं है, बल्कि भारत के अस्तित्व और अभिमान का उत्सव है।

'वीबी जी राम जी बिल' से रुकेगा हर घोटाला सिंधिया बोले- डिजिटल ऑडिट से खत्म होगा भ्रष्टाचार

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने आज शिवपुरी में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में संसद द्वारा पारित 'वीबीजी रामजी बिल' के प्रमुख प्रावधानों को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह विधेयक माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 21वीं सदी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न का ठोस परिणाम है, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पारदर्शिता, दक्षता और स्थायित्व प्रदान करेगा। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि नए प्रावधानों के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के दिनों की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। अब 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों का रोजगार सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, राज्य सरकारों को यह लचीलापन दिया गया है कि वे बुवाई जैसे मौसमों में जब कार्य की आवश्यकता कम होती है, रोजगार को समायोजित कर, आवश्यकता के समय अधिक अवसर उपलब्ध करा सकें, ताकि श्रमिकों को समय पर काम मिल सके। पूर्ववर्ती वर्षों में सामने आए घोटालों का उल्लेख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले मैनुअल श्रम के नाम पर मशीनों के उपयोग जैसी अनियमितताओं से भ्रष्टाचार पनपता था। अब पूरी प्रक्रिया को डिजिटलीकरण और डिजिटल ऑडिट से जोड़ा गया है। प्रत्येक कार्य का निरीक्षण डिजिटल माध्यम से होगा, जिससे भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं बचेगी और मैनुअल हस्तक्षेप पूरी तरह समाप्त होगा।सिंधिया ने बताया कि श्रमिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बिल में भुगतान की समय-सीमा को सख्ती से लागू किया गया है। सिंधिया ने स्पष्ट किया कि 15 दिनों के भीतर भुगतान अनिवार्य होगा। किसी भी प्रकार की देरी की स्थिति में संबंधित जिम्मेदार अधिकारी के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

महात्मा गांधी की हत्या करने वाली ताकतें अब उनका नाम भी मिटाना चाहती हैं : कांग्रेस

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अमेठी से कांग्रेस सांसद किशोरी लाल शर्मा ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) को खत्म करके विकसित भारत जी राम जी योजना लाये जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए रविवार को दावा किया कि जिन सांप्रदायिकता ताकतों ने राष्ट्रपिता की हत्या की थी, आज वही देश से उनका नाम मिटाकर उनके सपनों को चकनाचूर करना चाहती हैं।

शर्मा ने केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलकर 'वी बी जी राम जी' करने के विरोध में रविवार को जिला कांग्रेस कार्यालय, गौरीगंज में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का सपना साकार हो रहा था क्योंकि राष्ट्रपिता चाहते थे कि विकास योजनाए गांव में बने विकास का खाका गांव में तैयार हो, गांव खुशहाल हों और सभी के हाथ में रोजगार हो।

उन्होंने कहा कि इसी को देखते हुए कांग्रेस ने महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना शुरू की थी जिसमें 90 फीसदी का बजट केंद्र सरकार और 10 प्रतिशत का बजट राज्य सरकार वहन करती थी। कांग्रेस नेता ने कहा कि नई योजना में केंद्र सरकार 60 फीसदी और राज्य सरकार 40 प्रतिशत का भुगतान करेगी। भाजपा पर तीखा हमले करते हुए सांसद ने कहा कि महात्मा गांधी को पूरा देश राष्ट्रपिता मानता है और भाजपा उन्हीं का नाम खत्म करना चाहती है। शर्मा ने दावा किया कि उनके नाम की योजना को भारतीय जनता पार्टी ने एक षड्यंत्र के तहत बदलकर वी बी - जी राम जी कर दिया जिसमें मजदूरों के हितों को ध्यान में नहीं रखा गया है। शर्मा ने कहा, 'मैं अमेठी के आंकड़े पेश कर रहा हूं जिसमें चालू वित्तीय वर्ष में 1073 परिवारों को मनरेगा योजना के तहत रोजगार मिला है। यही नहीं, मनरेगा के तहत कराए जाने वाले कामों का 21 करोड़ 70 लाख 582 रुपये का भुगतान अब तक सरकार की तरफ से नहीं आया है और वित्तीय वर्ष पूरा होने वाला है।' शर्मा ने कहा कि कांग्रेस इस नई योजना के खिलाफ 12 जनवरी से 29 जनवरी तक राष्ट्रव्यापी आंदोलन चलाएगी जिसका नाम 'मनरेगा बचाओ संग्राम' रखा गया है। सांसद ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इसका नेतृत्व कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी करेंगी।

'बाप दिखाए घंटा' 'बेटा चलाया बल्ला' कांग्रेस की न्याय यात्रा में मंत्री कैलाश और बेटे आकाश पर तीखा तंज, सुर्खियां बने पोस्टर

भोपाल **(एजेंसी)**। इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी से हुई मौत के मामले को लेकर कांग्रेस ने रविवार को न्याय यात्रा निकाली। यह यात्रा बड़ा गणपति चौराहे से शुरू होकर राजवाड़ा तक निकाली गई, जिसमें कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। कांग्रेस की इस न्याय यात्रा में एक विशेष पोस्टरों ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा।

कांग्रेस के इस प्रदर्शन में एक खास तरह के पोस्टर चर्चा का विषय बन गए। कांग्रेस ने पोस्टरों के माध्यम से मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और उनके बेटे आकाश विजयवर्गीय पर तीखा निशाना साधा। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जो हाथों में पोस्टर लिए थे उन पर लिखा था, 'बाप दिखाए घंटा' और 'बेटा चलाया बल्ला'। इस तरह से पोस्टर देखते ही देखते सबका ध्यान खींच ले गए।

दरअसल इस न्याय यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार और नगर निगम के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। कांग्रेस नेताओं ने इस घटना को प्रशासनिक लापरवाही का परिणाम बताते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव के इस्तीफे की मांग की। इस यात्रा में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह सहित कई पूर्व मंत्री, विधायक और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे। नेताओं ने कहा कि भागीरथपुरा इलाके में लंबे समय से दूषित पानी की शिकायतें मिल रही थीं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने समय रहते कोई ठोस कदम नहीं उठाया, जिसके कारण निर्दोष लोगों की जान चली गई।

मध्य प्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह ने कहा कि यह केवल एक हादसा नहीं बल्कि सिस्टम की विफलता है। जब तक दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होगी और पीड़ित परिवारों को न्याय नहीं मिलेगा, तब तक कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। वही प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में निकली का यात्रा कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार में आम जनता की सुरक्षा से खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा देने और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की।

वही इस न्याय यात्रा के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा और राजवाड़ा क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। कांग्रेस ने साफ किया है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

योगी सरकार की पुलिस का 'यूपीकॉप ऐप' बना आमजन का सारथी, घर बैठे दर्ज करें प्राथमिकी

उठाएं 27 सेवाओं का लाभ; 50 लाख ने डाउनलोड किया ऐप

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश पुलिस का 'यूपीकॉप ऐप' और नागरिक पोर्टल अब एक 'डिजिटल पुलिस थाना' की तरह काम कर रहे हैं, जिसके माध्यम से लोग न केवल घर बैठे प्राथमिकी दर्ज करा रहे हैं, बल्कि थाने जाए बिना 27 प्रकार की पुलिस सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से रविवार को यह जानकारी दी गई। रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्ण के हवाले से कहा गया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिसिंग को जनकेंद्रित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के लिए तकनीक से जोड़ा है।

इसमें कहा गया कि यह मुख्यमंत्री की दूरदर्शी सोच का ही नतीजा है कि आज उप्र पुलिस तकनीक के जरिये आम जनमानस की सेवा में नई मिसाल कायम कर रही है। उन्होंने कहा कि यूपीकॉप ऐप ने थानों के चक्कर लगाने की मजबूरी को काफी हद तक कम कर दिया है। वहीं ऐप से विभिन्न सेवाओं के निस्तारण की समयावधि में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गयी है। उन्होंने बताया कि ऐप के जरिए लोग ऑनलाइन प्राथमिकी दर्ज कराने, प्राथमिकी की कॉपी डाउनलोड करने, खोये सामान की रिपोर्ट दर्ज कराने, चरित्र सत्यापन, किरायेदार सत्यापन, घरेलू सहायक सत्यापन, कर्मचारी सत्यापन समेत 27 प्रकार की सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं।

अब तक 50 लाख से अधिक उपयोगकर्ता ऐप को डाउनलोड कर चुके हैं। वहीं ऐप के माध्यम से 2.1 करोड़ से ज्यादा प्राथमिकी डाउनलोड की जा चुकी हैं। जबकि 7.3 लाख से अधिक लोगों ने खोये सामान की रिपोर्ट दर्ज करायी है। यह आंकड़े मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की डिजिटल पुलिसिंग की सोच के महत्व को दर्शाते हैं। डीजीपी ने बताया कि 'यूपीकॉप ऐप' में कई आधुनिक सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। इसमें रीयल-टाइम नोटिफिकेशन के जरिए आवेदकों को उनके आवेदन की स्थिति की तुरंत जानकारी मिल रही है।

यह ऐप हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में उपलब्ध है। जिससे हर वर्ग के लोग आसानी से इसका उपयोग कर रहे हैं। वहीं, सुरक्षा के लिहाज से लोकेशन ट्रैकिंग और एसओएस बटन जैसी सुविधाओं को भी अपग्रेड किया गया है। इसके अलावा ऐप पर नजदीकी पुलिस थाने को मैप पर देखने की सुविधा भी दी गई है, जो आपात स्थिति में काफी उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने बताया कि ऐप से विभिन्न सेवाओं के निस्तारण में लगने वाले समय में भारी कमी आयी है। वर्तमान में चरित्र सत्यापन में लगभग छह दिन का समय लग रहा है। जबकि पहले इसमें आठ दिन लगते थे। इस तरह किरायेदार के सत्यापन में करीब आठ दिन लग रहे हैं जबकि पहले 24 से 25 दिन लगते थे, कर्मचारी सत्यापन में करीब पांच दिन लग रहे हैं जबकि पहले 13 दिन लगते थे।

अमित शाह का केरल में 'मिशन 2026' का शंखनाद बोले- एलडीएफ-यूडीएफ का खेल अब खत्म होगा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को केरल में स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का लक्ष्य साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि केरल में बीजेपी का सफर आसान नहीं था, लेकिन समर्पित कार्यकर्ताओं के दम पर पार्टी ने आज एक मजबूत पहचान बनाई है। शाह ने स्पष्ट किया कि बीजेपी का अंतिम लक्ष्य केवल जीत नहीं, बल्कि केरल में अपनी सरकार बनाना और भाजपा का मुख्यमंत्री लाना है। शाह ने केरल की मौजूदा राजनीति पर हमला बोलते हुए कहा कि राज्य इस वक्त एलडीएफ और यूडीएफ की 'मिलीभगत' के कारण ठहराव के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इन दोनों पार्टियों ने बारी-बारी से सत्ता में आकर भ्रष्टाचार करने का गुप्त समझौता कर लिया है। उनके अनुसार, केरल का भविष्य इन दोनों के साथ सुरक्षित नहीं है, क्योंकि वे राज्य की परंपराओं और विकास की रक्षा करने में विफल रहे हैं। अमित शाह ने पार्टी की बढ़ती ताकत के आंकड़े पेश करते हुए बताया कि 2014 में बीजेपी का वोट शेयर 11इ था, जो 2019 में 16इ और 2024 में बढ़कर 20इ के पार पहुंच गया है। उन्होंने कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि जिस तरह पार्टी ने दो सीटों से शुरू करके केंद्र में तीसरी बार सरकार बनाई और असम जैसे राज्यों में जीत हासिल की, वही इतिहास केरल में भी दोहराया जाएगा। गृह मंत्री ने एलडीएफ और यूडीएफ पर निशाना साधते हुए कहा कि ये दल वोटबैंक की राजनीति के कारण पीएफआई और एसडीपीआई जैसे संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने से डरते हैं। उन्होंने कहा कि केवल बीजेपी ही केरल को ऐसी राष्ट्रविरोधी ताकतों से बचा सकती है। शाह ने तीन तलाक कानून का उदाहरण देते हुए कहा कि विपक्षी दलों ने तुष्टीकरण की नीति के तहत इसका विरोध किया।

प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने की विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य जनपद में संचालित सभी मिशन शक्ति केंद्रों को और अधिक सशक्त, प्रभावी एवं एकरूप बनाना है

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह जी ने आज मां शीतला अतिथि गृह, सयांरा में विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।

ज्ञात हो कि राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने पीएम सूर्य घर योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार कर लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने एक एकीकृत बागवानी मिशन की प्रगति की समीक्षा के दौरान जिला उद्यान अधिकारी से कहा कि जनपद की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए शासन को पत्र प्रेषित कर लक्ष्य और बढ़वाया जाय। किसानों को जागरूक कर, उन्हें लाभान्वित किया जाय तथा नवाचार किया जाय। उन्होंने प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना की समीक्षा के दौरान लक्ष्य 1190 हेक्टेयर के सापेक्ष 800 हेक्टेयर की पूर्ति पाए जाने पर जिला उद्यान अधिकारी से कहा कि जनपद कौशांबी की भूमि उपजाऊ भूमि है। किसानों को जागरुक कर, उन्हें इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित किया जाय।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि लोगों को जागरुक कर खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए, उन्हें प्रोत्साहित किया जाय। व्यापारियों के साथ बैठक किया जाय तथा खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना की एक औद्योगिक क्षेत्र विकसित किया जाय। उन्होंने जिला उद्यान अधिकारी से कहा कि किसानों को कोल्ड रूम का भ्रमण कराया जाय तथा जनपद कौशांबी में कोल्ड रूम एवं कोल्ड स्टोर की स्थापना के लिए लोगों को प्रोत्साहित भी किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जनपद कौशांबी में मशरूम, शिमला मिर्च एवं स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा दिया जाय, इन कार्यों को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं तथा अधिक से अधिक सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कहा कि सरस हाट का सर्वे कराकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के दौरान कुछ निर्माण कार्य लम्बित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए संबंधित अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराया जाय एवं निर्माण कार्यों में समयबद्धता अवश्य सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने पर्यटन के कार्य बौद्ध थीम पार्क व गेट कॉम्प्लेक्स एवं पुलिस लाइन में ट्रांजिट हॉस्टल के निर्माण कार्य लंबित पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए प्रोजेक्ट मैनेजर, यूपीपीसीएल को निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित पाए जाने पर अधिशासी अभियंता, सिंचाई से स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद के गौशालाओं में वर्मी कंपोस्ट बनाए जाने की कार्यवाही की जा रही है एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को वर्मी कंपोस्ट बनाने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिस पर मा.राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को जागरूक किया जाय।

इस अवसर पर अध्यक्ष जिला पंचायत कल्पना सोनकर, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य, सदस्य उ.प्र. राज्य महिला आयोग प्रतिभा कुशवाहा, पूर्व सांसद विनोद कुमार सोनकर, पूर्व विधायक लाल बहादुर, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी व भरवारी कविता पासी तथा जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल, पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार एवं मुख्य विकास अधिकारी विनोद राम त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

महिला-बाल सुरक्षा के लिए बड़ा कदम मिशन शक्ति केंद्रों के कार्मिकों को दुर्गा भाभी सभागार में दिया गया वीडियो आधारित प्रशिक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में जनपद के समस्त थानों के मिशन शक्ति केंद्रों में नियुक्त मिशन शक्ति केंद्र प्रभारी एवं संबंधित कर्मियों को मिशन शक्ति केंद्र के मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के संबंध में वीडियो के माध्यम से विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

ज्ञात हो कि प्रशिक्षण के दौरान कर्मियों को आई गॉट पोर्टल पर उपलब्ध 21 विशेष प्रशिक्षण वीडियो दिखाए गए। इन वीडियो के माध्यम से मिशन शक्ति केंद्र के संचालन, पीड़ितों से व्यवहार और कानूनी प्रक्रियाओं की बारीकियों को समझाया गया।

इस दौरान मिशन शक्ति केंद्रों के उद्देश्य, कार्यप्रणाली, महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों के संवेदनशील निस्तारण, जागरूकता गतिविधियों के संचालन, अभिलेखों के संधारण, पोर्टल पर कार्यवाही, तथा शासन द्वारा निर्धारित एसओपी के प्रभावी अनुपालन के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

हिंदू सम्मेलन आयोजित, सनातन व राष्ट्र की सुरक्षा पर वक्ताओं ने रखे विचार

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में आदर्श नगर पंचायत शोहरतगढ़ स्थित श्रीराम जानकी मंदिर परिसर में रविवार को हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के जिला प्रचारक विशाल ने कहा कि सनातन धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए हिंदुओं को एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि एकता से ही समाज और राष्ट्र सुरक्षित रह सकता है।

उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों का उल्लेख करते हुए वहां की सरकार पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि यदि अत्याचार नहीं रुके तो इसका विरोध किया जाएगा। वक्ताओं ने क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदुओं में इस मुद्दे को लेकर आक्रोश की बात भी कही। नपं शोहरतगढ़ सभासद प्रतिनिधि राजकुमार मोदनवाल ने कहा कि बांग्लादेश में निर्दोष हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों को लेकर भारत सहित विदेशों में भी हिंदू समाज में नाराजगी है।वहीं बिष्णु बबूना ने 'पंच परिवर्तन' पर जोर देते हुए स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने और समाज में फैली ऊंच-नीच व छुआछूत को समाप्त कर संगठित होने की अपील की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता और सामाजिक समरसता से ही राष्ट्र सशक्त बन सकता है। इस अवसर पर सम्मेलन में शिवकुमार अग्रवाल, आनंद कसौधन, नंदू गौड़, शिवशक्ति शर्मा, सोनू निगम, पप्पू पासवान सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के वांछित अभियुक्त को 24 घण्टे के अंदर किया गिरफ्तार

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बृजेश कुमार वर्मा क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज के कुशल पर्यवेक्षण में अमित कुमार थानाध्यक्ष थाना पथरा बाजार द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0 03/2026 धारा 69, 115(2), 351(3), 352 बीएनएस से सम्बंधित वांछित अभियुक्त मात्र 24 घंटे के अंदर पावर हाउस पथरा बाजार के पास से सौरभ उर्फ सुनील अग्रहरि पुत्र जवाहिर लाल अग्रहरि निवासी पथरा बाजार को कांस्टेबल पंकज सिंह, कांस्टेबल अरविंद कुशवाहा की टीम ने गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय भेजा।

सत्संग में जा रहे बाइक सवारों को कंटेनर ने मारी टक्कर, एक की मौत एक घायल

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। निरंकारी मिशन के मिशनरी के सत्संग में शामिल होने गए बाइक सवार लोग रविवार को सत्संग में जा रहे थे। जैसे ही बाइक सवार कोखराज थाना क्षेत्र के चौराहे के पास पहुंचे तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार दोनों लोग जमीन पर गिर पड़े एक अधेड़ को कंटेनर ने कुचल दिया है। उसके ऊपर से वाहन निकल गया इससे अधेड़ की घटना स्थल पर तड़प तड़प कर दर्दनाक मौत हो गई। दूसरे व्यक्ति को हल्की चोट आई हैं दुर्घटना देखकर मौके पर तमाम लोगों की भीड़ लग गई। मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई। घटना स्थल पर पहुंची थाना पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल दूसरे व्यक्ति को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है दुर्घटना के बाद कंटेनर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया था पुलिस ने नाकेबंदी कर कंटेनर को चालक समेत कल्यानपुर से पकड़ कर अपने कब्जे में ले लिया है। घटना की जानकारी मिलते ही रोते बिलखते परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक प्रतापगढ़ जनपद के हथगावा थाना क्षेत्र के पूर्व मऊ गांव निवासी हरिश्चंद्र उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र बच्चू लाल दिवाकर अपने साथी बुद्ध राम के साथ बाइक से कौशांबी जनपद में होने वाले ईसाई धर्म के मिशनरी के सत्संग में शामिल होने गए थे। मिशनरी के सत्संग में शामिल होने के लिए बाइक सवार दोनों लोग रविवार को अपने घर हथगावा थाना क्षेत्र से आ रहे थे। जैसे ही बाइक सवार कोखराज थाना क्षेत्र के चौराहे के पास पहुंचे तेज रफ्तार कंटेनर ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनों लोग बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े। इस दुर्घटना में पीछे बैठे हरिश्चंद्र को कंटेनर चालक ने कुचल दिया है। जिससे उनकी बड़ी वीभत्स मौत हो गई। दूसरा साथी घायल हो गया है, दुर्घटना के बाद कंटेनर समेत चालक मौके से फरार हो गया है। जिसके बाद में पुलिस ने कल्यानपुर से गिरफ्तार कर लिया है। दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और घायल को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया है।

लो वोल्टेज की आपूर्ति से न्याय नगर मनसैता के उपभोक्ता परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। गोड़वा विद्युत उपकेंद्र मनसैता फीडर से जुड़े न्याय नगर मनसैता गांव में लो वोल्टेज की समस्या से उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में लगा ट्रांसफार्मर लगभग आधा किलोमीटरसे अधिक दूरी होने के कारण विद्युत उपभोक्ताओं के घरों तक पर्याप्त वोल्टेज नहीं पहुंच पा रहा है, जिससे बिजली से चलने वाले उपकरण ठीक से काम नहीं कर रहे हैं।उपभोक्ताओं का कहना है कि लो वोल्टेज के कारण समरसेबल व अन्य घरेलू उपकरण प्रभावित हो रहे हैं। कई बार शिकायत के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है न्याय नगर मनसैता के राजेंद्र पाल श्याम कृष्णा पिंटू शुक्ला पप्पू पाल आदि क्षेत्रीय विद्युत उपभोक्ताओं ने विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बंच केबल सहित 25के वी ए का नया ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की है।

रूदापुर गांव के समीप सड़क पर अचेत मिला अज्ञात युवक, अस्पताल में भर्ती

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। थाना क्षेत्र के रूदापुर गांव के समीप बीती रात करीब दो बजे सड़क किनारे एक 30 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति अचेत अवस्था में पड़ा मिला। राहगीरों व स्थानीय लोगों ने युवक को अचेत देख तत्काल डायल 112 पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और 108 एंबुलेंस की सहायता से अचेत युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में भर्ती कराया गया, जहां उसका उपचार चल रहा है। युवक की पहचान अभी नहीं होपाई है।

माघ मेले का शास्त्रोक्त, आध्यात्मिक महत्व

पूज्य स्वामी जी व ऋषिकुमारों के साथ माघ मेला में स्नान, ध्यान, पूजा-अर्चना

पूज्य स्वामी जी परमार्थ त्रिवेणी पुष्प व अरैल, संगम घाटों का किया निरिक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। प्रयागराज की पावन धरती पर स्थित परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, जहाँ गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती का संगम है। माघ मेला, भारत की शाश्वत आध्यात्मिक परंपरा, ऋषि-संस्कृति और लोक-आस्था का जीवंत प्रतीक है। शास्त्रों में माघ मास को 'सर्वश्रेष्ठ मास' कहा गया है, जिसमें संगम स्नान को मोक्षदायी और पुण्यवर्धक माना गया है।

स्कंद पुराण, पद्म पुराण एवं मत्स्य पुराण में माघ स्नान की महिमा विस्तार से वर्णित है। शास्त्रों के अनुसार, माघ मास में संगम पर स्नान करने से जन्म-जन्मांतर के पाप नष्ट होते हैं, मन शुद्ध होता है और दिव्य चेतना का संचार होता है। यह स्नान केवल शरीर की स्वच्छता नहीं, बल्कि विचारों, संस्कारों और कर्मों की शुद्धि का प्रतीक है। माघ मेला हमें स्मरण कराता है कि भारतीय संस्कृति में तीर्थ केवल स्थल नहीं, बल्कि चेतना की यात्रा है।

परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज के मार्गदर्शन में, ऋषिकुमारों, साधकों, संन्यासियों और श्रद्धालुओं ने संगम तट पर सामूहिक रूप से स्नान, ध्यान और पूजा-अर्चना का पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस अवसर पर पूज्य स्वामी जी ने कहा, 'माघ मेला हमें आत्ममंथन का अवसर देता है। संगम में डुबकी लगाना तभी सार्थक है, जब हम अपने अहंकार, क्रोध, लोभ और आसक्ति को भी त्यागने का संकल्प लें।'

परमार्थ त्रिवेणी पुष्प, साधना, सेवा और संस्कृति का जीवंत केंद्र बन गया है, जहाँ श्रद्धालु बाह्य यात्रा के साथ-साथ अंतर्यात्रा का भी अनुभव कर रहे हैं। प्रयागराज वास्तव में अध्यात्म, आस्था और भारतीय संस्कृति का दिव्य संगम है। माघ मेला वास्तव में भारत की आत्मा का उत्सव है, जहाँ हर डुबकी, हर मंत्र और हर प्रार्थना हमें अपने वास्तविक स्वरूप की ओर ले जाती है।

पुलिस ने एक नफर वारण्टी को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे वांछित/वारण्टी अभियान के तहत एवं प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व मंयक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ के कुशल पर्वेक्षण में एवं नरायन लाल श्रीवास्तव थानाध्यक्ष ढेबरुआ के कुशल नेतृत्व में थाना ढेबरुआ पुलिस द्वारा को वाद संख्या 3292/2017 व धारा 366, 498, 312, 493, 494, 495, 498, 109, 114, 120 व 34 भा0द0वि0 से सम्बन्धित वारण्टी घिर्रे पुत्र वीरबली निवासी ग्राम रामनरगर को उसके घर से उप निरीक्षक मनोज मणि त्रिपाठी, कांस्टेबल पंचम यादव की टीम ने गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा।

गिराई गांव में दो जले ट्रांसफार्मर को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली के गिराई गांव में पिछले तीन माह से 32 केवीए का ट्रांसफॉर्मर और 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर 5 दिनों से जले होने से परेशान ट्रांसफार्मर को लेकर आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। बताते चलें गांव में लगा 63 केवी का ट्रांसफार्मर पिछले पांच दिनों से जला हुआ है, वही 32 केवीए का ट्रांसफॉर्मर तीन माह से ज्यादा दिनों से जला है जिससे पूरा गांव अंधेरे में है।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग को कई बार सूचना दिए जाने के बाद भी जले ट्रांसफार्मर को नहीं बदला गया है जिससे पूरा गांव अंधेरे में है। ग्रामीणों ने बताया कि 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर गांव को विद्युत आपूर्ति हो रही थी जिससे राहत रही परंतु उसके भी जल जाने से गंभीर संकट हो गया। जिसके कारण जहां सिंचाई कार्य प्रभावित हो रहा है वही चोर उचक्कों का भी भय बना हुआ है। यह भी आरोप लगाया कि अंधेरे का लाभ उठाकर ही नवजात का शव गांव में पहुंचाया गया। ग्रामीणों ने मांग किया कि विद्युत विभाग शीघ्र जले ट्रांसफार्मर को बदलवाए। प्रदर्शन करने वालों में अवधेश पाल, आशीष, अंकित, रजत मिश्रा, भूमिधर, पवन, राजकुमार, सुनील समेत ग्रामीण रहे।

नए तरीके से हो रही साइबर ठगी 'जंप्ड डिपॉजिट स्कैम' से रहें सतर्क

भदोही। डिजिटल लेनदेन के बढ़ते चलन के बीच साइबर ठगों द्वारा अपनाया जा रहा 'जंप्ड डिपॉजिट स्कैम' आम लोगों के लिए खतरा बनता जा रहा है। इस ठगी में साइबर अपराधी पहले पीड़ित के बैंक खाते में 100 रुपये से 5000 तक की छोटी राशि ट्रांसफर करते हैं और मैसेज मिलते ही जिज्ञासा में यूपीआई ऐप खोलकर पिन डालने पर पहले से भेजी गई रिक्वेस्ट स्वीकार हो जाती है, जिससे खाते से बड़ी रकम निकल जाती है स्पष्ट किया है। यूपीआई ने स्पष्ट किया कि बिना पिन डाले खाते से पैसा नहीं निकाला जा सकता और अधिकांश धोखाधड़ी फर्जी कॉल, मैसेज या भुगतान अनुरोध के जरिए होती है। भदोही साइबर सेल के मुताबिक अनजान क्रेडिट मैसेज पर तुरंत प्रतिक्रिया न देने, पिन सोच-समझकर डालने और केवल अधिकृत यूपीआई ऐप इस्तेमाल करने की सलाह दी है। ठगी की स्थिति में तुरंत बैंक को सूचना देने के साथ 1930 साइबर हेल्पलाइन या पर शिकायत दर्ज कराने से धन वापसी की संभावना बढ़ जाती है।

युवक लापता अनहोनी की आशंका से परिजन परेशान

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र बरजी कलां निवासी अजय यादव (22 वर्ष संदिग्ध परिस्थितियों में गायब हो गया। परिजनों के अनुसार अजय यादव 07 जनवरी को सुबह 9 बजे घर से निकला था, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा।

काफी खोजबीन के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों द्वारा कोतवाली गोपीगंज में गुमशुदगी दर्ज कराई गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। वही पांच दिन बीत जाने के बाद भी युवक का पता नही चल पाने से परिजन अनहोनी की आशंका को लेकर काफी परेशान है।

वीबी-जी रामजी अधिनियम ग्रामीण परिवारों के लिए मील का पत्थर- राज्यमंत्री दिनेश प्रताप

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। केन्द्र और प्रदेश की सरकार ग्रामीणों व श्रमिकों के लिए संसद द्वारा हाल ही में एक अधिनियम पारित किया गया है। विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (वीबी-जी रामजी) अधिनियम। यह देश के ग्रामीण परिवारों के लिए एक एतिहासिक कदम है।

उक्त बातें प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं जनपद के प्रभारी मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने प्रेस वाती में कही।

उन्होने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा बहुत अच्छी योजना ग्रामीण क्षेत्रों के लिए लागू करने जा रही है। पहले वाले अधिनियम यानी महात्मा गांधी नरेगा में बेरोज़गारी भत्ता का लाभ मिलना लगभग असंभव था। किंतु उसमें कई शर्तें थी। लेकिन विकसित भारत-जी रामजी अधिनियम में यह सब प्रतिबंध हटा दिए गए है।

अब यदि काम मांगने पर कार्य न मिले तो बेरोजगारी भत्ता स्वतः मिलेगा। इस रोजगार का अधिकार अब वास्तव में कानूनी अधिकार बन जाएगा।

इस अधिनियम में रोजगार की गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है जो कि मेहनतकश ग्रामीण समाज के लिए बहुत बड़ा परिवर्तन है।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता को इस नए अधिनियम पर दिग्भ्रमित कर रहे हैं जो ओछी मानसिकता का परिचायक है।

माघ मेला क्षेत्र में आज़ाद रीड्स और आर/इलाहाबाद की अनोखी पहल : 800 से अधिक लोगों को कराया गया भंडारा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला क्षेत्र में आज़ाद रीड्स और शहर के ऑनलाइन समुदाय आर/इलाहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में रविवार 11 जनवरी को एक भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 800 से 1000 श्रद्धालुओं, यात्रियों और स्थानीय लोगों ने भोजन ग्रहण किया। यह आयोजन केवल एक धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाने और समुदाय द्वारा समाज को कुछ लौटाने की भावना का सशक्त प्रतीक बनकर सामने आया।

इस भंडारे की सबसे खास बात यह रही कि इसे आयोजित करने वाले अधिकांश लोग एक-दूसरे के लिए पहले अजनबी थे। आज़ाद रीड्स के संस्थापक राघव ने इस संदर्भ में कहा, 'यह देखकर हैरानी होती है कि 30-40 अनजान लोग एक साथ मिलकर 800 से अधिक लोगों को भोजन करा पाए। यह पूरी तरह एक सामूहिक प्रयास है, जिसने इस आयोजन को सफल बनाया। किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि हर छोटे-बड़े योगदान का इसमें बराबर का हिस्सा रहा।'

आयोजन की योजना से लेकर क्रियान्वयन तक, हर स्तर पर आपसी सहयोग और समन्वय देखने को मिला। भोजन की व्यवस्था, पंगत, स्वच्छता और सेवा कार्य में स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह और समर्पण के साथ भाग लिया। माघ मेले जैसे विशाल आयोजन स्थल पर इतनी बड़ी संख्या में लोगों को सुव्यवस्थित ढंग से भोजन कराना अपने आप

में एक चुनौती थी, जिसे इस समूह ने सामूहिक प्रयास से सफलतापूर्वक पूरा किया।

यह भंडारा गंगा-जमुनी तहज़ीब का भी एक जीवंत उदाहरण बना। रेडिट समुदाय की ओर से सैयद हसन अब्बास और आज़ाद रीड्स की ओर से ज़ीशान एवं अंकित इस पूरे प्रोजेक्ट के मुख्य आयोजक रहे। अलग-अलग सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से आए लोगों का एक साझा उद्देश्य के लिए साथ आना प्रयागराज की समावेशी संस्कृति और आपसी सौहार्द को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि आज़ाद रीड्स एक पठन-पाठन आधारित सामुदायिक समूह है, जो हर रविवार सुबह 11 से 1 बजे तक कंपनी गार्डन में मिलता है। यहाँ लोग साथ बैठकर किताबें पढ़ते हैं, विचार साझा करते हैं और विभिन्न रचनात्मक व बौद्धिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। वहीं आर/इलाहाबाद एक ऑनलाइन समुदाय है, जहाँ इंटरनेट के माध्यम से जुड़े लोग न केवल शहर से जुड़ी चर्चाएँ करते हैं, बल्कि समय-समय पर सामाजिक और रचनात्मक पहलों को भी ज़मीन पर उतारते हैं।

माघ मेला क्षेत्र में आयोजित यह भंडारा इस बात का प्रमाण है कि डिजिटल मंचों पर बने समुदाय भी वास्तविक जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। आज़ाद रीड्स और आर/इलाहाबाद की यह पहल आने वाले समय में अन्य युवाओं और संगठनों के लिए भी प्रेरणा बन सकती है, कि जब समुदाय मिलकर आगे आता है, तो समाज के लिए बड़े और अर्थपूर्ण कार्य संभव हो पाते हैं।

किन्नर महामण्डलेश्वर ने संतों का कुशलक्षेम पूछ किया सम्मानित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाड़ा की प्रयागराज महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि महराज (छोटी मां) ने आज अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज और परिषद के महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज के माघ मेला के ओल्ड जीटी रोड स्थित शिविर पहुंची। किन्नर महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि ने संत द्वय का आशीर्वाद लिया और कुशल क्षेम पूछा। किन्नर महामण्डलेश्वर स्वामी कल्याणीनंद गिरि ने राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्रह्मश्रम महराज और परिषद के महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज को अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया। इस दौरान माघ मेला, अर्द्ध कुंभ मेला और कुंभ मेला के दौरान विशाल अन्न क्षेत्र चलाने वाले ओम नमः शिवाय शिविर के व्यवस्थापक शिवम सहित अन्य लोग मौजूद थे।

माघ मेले की भीड़ ने बढ़ाई रौनक, मेला पुलिस मुस्तैद

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला-2026 के दौरान श्रद्धालु आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण होकर तीर्थराज प्रयाग की ओर निरंतर आ रहे हैं। माघ मास के स्नान को पुण्यदायी मानते हुए देश के कोने-कोने से भारी संख्या में श्रद्धालु संगम में आस्था की डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं।

रविवार को माघ मेला क्षेत्र में संगम स्नान हेतु श्रद्धालुओं/ स्नानार्थियों की अत्यधिक भीड़ देखने को मिली। रविवार होने के कारण मेला क्षेत्र में ऐसा दृश्य परिलक्षित हुआ मानो कोई प्रमुख स्नान पर्व हो, जहां भारी संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान के लिए उमड़ पड़े हों। पूरे मेला क्षेत्र में आस्था और श्रद्धा का अद्भुत उत्साह दिखाई दिया तथा श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि दर्ज की गई।

श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन एवं सुरक्षित स्नान को सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश द्वारों, चौराहों, पार्किंग स्थलों एवं स्नान घाटों पर व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए हैं। इसके अंतर्गत मेला क्षेत्र में पुलिस की विभिन्न इकाइयों की प्रभावी तैनाती की गई है। इंटीग्रेटेड कमांड सेंटर से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से संपूर्ण मेला क्षेत्र की सतत निगरानी की जा रही है, जिससे हर गतिविधि पर पैनी नजर रखी जा सके।

मेला क्षेत्र में 'पब्लिक एड्रेस सिस्टम' के माध्यम से श्रद्धालुओं से निरंतर अनुरोध किया जा रहा है कि वे सुरक्षित रूप से स्नान कर, निर्धारित मार्गों का उपयोग करते हुए अपने गंतव्य की ओर प्रस्थान करें।

इस दौरान पुलिस अधीक्षक माघ मेला नीरज कुमार पाण्डेय द्वारा स्वयं मेला क्षेत्र का भ्रमण करते हुए पुलिस बल की कुशलता ली जा रही है तथा ड्यूटी में लगे अधिकारियों/ कर्मचारियों को सतर्कता, अनुशासन एवं सेवा भाव के साथ कर्तव्य निर्वहन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जा रहे हैं।

भाजपा ने लगाया नव मतदाता कैंप

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भाजपा मुट्ठीगंज मंडल के द्वारा नव मतदाता कैंप लगाया गया। इस अवसर मुट्ठीगंज, गाज़ीगंज, बलुवाघाट कटघर दरिया बाद, महावीरन लेन, बांसमंडी, सालिक गंज क्षेत्र में नव मतदाताओं को जोड़ने के लिए कैंप लगाया गया।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि भाजपा महानगर के द्वारा सभी 1216 बूथों पर विशेष अभियान चला कर नव मतदाता कैंप लगाया गया और नए मतदाता जोड़ने के लिए फार्म 6 भरवाएं गए।

इस अवसर भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी, मंडल अध्यक्ष परमानंद वर्मा, मंडल उपाध्यक्ष सुनील केसरवानी, सुधांशु त्रिवेदी, अभिषेक जायसवाल जितेंद्र जायसवाल सौरभ चौरसिया अनिल गुप्ता, लवकुश केसरवानी, शक्ति केंद्र संयोजक दीपक केसरवानी, नीरज केसरवानी शत्रुघ्न जायसवाल अजय अग्रहरि आदि मंडल के सभी पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

घर के लोगों को अच्छे संस्कार सिखाना जरूरी : ब्रजरज दास महाराज

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई। क्षेत्र के मनसैता गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथावाचक ब्रजरज दास महाराज ने पौराणिक प्रसंगों के माध्यम से संस्कारों के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कथा केवल सुनने के लिए नहीं, बल्कि उसे जीवन में उतारने के लिए होती है। घर में अच्छे संस्कार और सकारात्मक माहौल देना आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है।ब्रजरज दास महाराज ने संगीतमय शैली में कथा का रसपान कराते हुए कहा कि आज घरों में सुविधाएं तो बढ़ गई हैं, लेकिन शांति और संतोष का अभाव दिखाई देता है। उन्होंने समाज में बदलती परिस्थितियों पर चिंता जताते हुए कहा कि यह विडंबना है कि गोमाता जो कभी घर के द्वार पर होती थी, आज सड़कों पर बेसहारा है, जबकि श्वान द्वार पर स्थान पा रहा है। रसोई की पहली रोटी गाय को देने की परंपरा भी समाप्त होती जा रही है।कथावाचक ने बच्चों के संस्कारों पर विशेष जोर देते हुए कहा कि सुबह उठकर माता-पिता और घर के श्रेष्ठजनों का चरण स्पर्श व प्रणाम करना आवश्यक है। इससे बच्चों पर प्रभु की कृपा बनी रहती है और उनमें अच्छे संस्कार विकसित होते हैं। इसलिए अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण अवश्य करें।कथा के समापन पर व्यास पीठ की आरती मुख्य यजमान रमाकांत शुक्ल व उनकी पत्नी सुमन शुक्ल ने उतारी। इ

स अवसर पर जगदीश शुक्ला हरि नारायण शुक्ला वशिष्ठ नारायण शुक्ला जितेंद्र शुक्ल, शिवाकांत शुक्ल, राकेश मिश्र, मोनू शुक्ल, टिंकू तिवारी, कमलेश तिवारी, शिवम शुक्ल, उमेश मिश्र, दीपक तिवारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भागवद कथा से मिलता है ज्ञान स्वामी अमृतदास भक्तमाली

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। अमृत दास बड़ा भक्तमाल सेवा आश्रम संगम लोअर मार्ग खाक चौक माघ मेला प्रयागराज में आज से श्रीमद् भागवद कथा महापुराण की पुनीत पावन कथा एवं लक्ष्मी नारायण महायज्ञ शुरू हुआ। कथा व्यास अनंत विभूषित स्वामी अमृतदास भक्तमाली ने ज्ञान, वैराग्य ओर भक्ति की कथा श्रवण कराते हुए कहा कि भागवत भगवान की पुनीत पावन कथा से ज्ञान वैराग्य की ओर भक्त को आनंद की प्राप्ति हुई। कथा की पूर्णाहुति 17 जनवरी को होगी। उन्होने बताया कि शिविर में पूजन, हवन और जागरूकता संगोष्ठी चलेगी। इसके पूर्व कथा व्यास अनंत विभूषित स्वामी अमृतदास भक्तमाली के नेतृत्व में विशाल कलश यात्रा निकाली गयी जिसमें बडी संख्या में श्रद्धालु सिर पर कलश लेकर शामिल हुए।

आगामी स्नान पर्व पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

सभी प्रवेश द्वारों पर सघन चेकिंग, बम निरोधक दस्ता व विशेष टीमें मेला क्षेत्र में सक्रिय

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। माघ मेला-2026 के आगामी स्नान पर्व को दृष्टिगत रखते हुए मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक एवं पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संगम नोज से लेकर मेला क्षेत्र के सभी प्रवेश द्वारों पर मेला पुलिस, पीएसी एवं आरएएफ के जवानों की सघन तैनाती की गई है। प्रवेश द्वारों पर संदिग्ध व्यक्तियों की गहन तलाशी एवं सत्यापन के उपरांत ही मेला क्षेत्र में प्रवेश दिया जा रहा है।

मेला क्षेत्र की सुरक्षा के लिए आठ-स्तरीय सुरक्षा घेरा स्थापित किया गया है। बाहरी सुरक्षा घेरों में पुलिस बल द्वारा मोर्चा संभाला गया है, जबकि आंतरिक घेरों में पीएसी, आरएएफ एवं एटीएस के जवान मुस्तैदी से तैनात हैं। संगम नोज पर घुड़सवार पुलिस की भी तैनाती की गई है। सभी पांटून पुलों के दोनों सिरों पर पीएसी बल मौजूद है, जिससे आवागमन पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके।

बम निरोधक दस्ता मेला क्षेत्र के विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर लगातार सघन जांच एवं तलाशी अभियान चला रहा है। संगम नोज सहित प्रमुख स्थलों पर पुलिस, पीएसी तथा एटीएस के कमांडो संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। संपूर्ण मेला क्षेत्र की निगरानी सीसीटीवी कैमरों एवं कंट्रोल रूम के माध्यम से लगातार की जा रही है।

संगम सहित सभी स्नान घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए एनडीआरएफ, बाढ़ राहत दल एवं जल पुलिस के जवानों की तैनाती की गई है। जवानों द्वारा लगातार अनाउंसमेंट कर श्रद्धालुओं को गहरे पानी की ओर जाने से रोका जा रहा है, जिससे किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट प्रयागराज एवं पुलिस अधीक्षक माघ मेला सहित वरिष्ठ अधिकारी प्रतिदिन मेला क्षेत्र का भ्रमण एवं निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा कर रहे हैं।

जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ ने माघ मेला के लिए किया प्रस्थान

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज दक्षिण भारत की पांच दिवसीय यात्रा पूरी करके आज विश्व प्रसिद्ध तीर्थराज प्रयागराज के माघ मेला के लिए प्रस्थान किया। उन्होंने कहा कि माघ मेला में माघी पूर्णिमा तक शिविर में पूजन, हवन, संगोष्ठी, संत सम्मेलन और विशाल भण्डारा सहित अन्य कार्यक्रम होगा जिसमें देश, विदेश से बडी संख्या में शिष्यगण परिवार सहित शामिल होगे। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज पांच दिवसीय यात्रा पर तेलंगाना, आध्र प्रदेश गये हुए थे। सनातन धर्म का प्रचार प्रसार कर वहां के लोगों को आशीर्वाद दिया। राष्ट्रीय प्रभारी भारतीय जनता पार्टी नूने बलराज, तेलंगाना के राज्यपाल के ओएसडी दीपक राय, श्रीमती रक्षा ताई पाण्डेय (नीता ताई भागवत), आरके पाण्डेय, तेलंगाना महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष शैलजा रेड्डी, मंगेश भागवत आदि ने शिष्टाचार भेंटकर जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी अधोक्षजानंद देवतीर्थ महराज का आशिर्वाद लिया। दक्षिणी राज्य यात्रा का संयोजन समाजसेवी केके अन्ना ने किया था।

वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के प्रथम राज्य अधिवेशन में समाज, व्यापार, उद्योगों के विकास एवं आर्थिक उन्नति पर हुई चर्चा

आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए प्रयागराज के 21 परिवारों को दिया गया मॉडर्न ठेला एवं 10 हजार रुपया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। धर्म, संस्कृति एवं अध्यात्म की नगरी तीर्थराज प्रयागराज की पावन भूमि पर आज आयोजित वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन (वाया) के प्रथम राज्य अधिवेशन में सम्मिलित देश के प्रतिष्ठित उद्यमियों एवं वैश्य इंटरनेशनल के पदाधिकारियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया। इस अवसर पर वैश्य समाज के लोगों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने व सूदखोरों के चंगुल से बचाने के लिए मॉडर्न ठेला वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें प्रयागराज के साथ ही अन्य जनपदों के 21 लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए मॉडर्न ठेला, दस हजार रूपए के साथ ही व्यवसाय की सारी सामग्री प्रदान की गई। यही नहीं वैश्य समाज के पांच परिवारों को आर्थिक सहायता के रूप में चेक प्रदान किया गया।

वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन (वाया) के प्रथम राज्य अधिवेशन में वैश्य समाज के लोगों के उत्थान के साथ ही व्यापार एवं उद्योगों के विकास, प्रदेश की आर्थिक उन्नति एवं अन्य विषयों पर चर्चा हुई। वैश्य समाज सदैव अपने पूर्वजों की गौरवशाली परम्परा, सेवा और संस्कारों को आगे बढ़ाता आया है। वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन (वाया) अपने पूर्वजों के उन्हीं पदचिन्हों एवं आदर्शों को अपनाते हुए समाज सेवा की ओर अग्रसर है। वाया के पदाधिकारी केंट आरओ के मालिक महेश गुप्ता, हल्दीराम समूह के मनोहर लाल अग्रवाल, क्रिस्टल समूह के अध्यक्ष नन्द किशोर अग्रवाल ने कहा कि किसी भी व्यापार को करने एवं अपने परिवार का जीविकोपार्जन करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। बैंक के नियमों की श्रेणी में शामिल न हो पाने की वजह से लोग सूदखोरों के चक्कर में फंस जाते हैं और फिर इस दलदल से बाहर निकल नहीं पाते हैं। शाहजहांपुर और प्रतापगढ़ में कुछ दिनों पहले सूदखोरों के दबाव के कारण ही दो व्यापारियों ने आत्महत्या कर ली थी। ऐसे लोगों को सूदखोरों के चंगुल से बचाना, आर्थिक सहायता प्रदान करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना ही वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन का लक्ष्य है। ताकि वे अपना व्यापार बढ़ाने के साथ ही परिवार का जीविकोपार्जन कर सकें। सम्मान पूर्वक व्यापार करते हुए अपनी आजीविका चला सकें इसलिए आधुनिक ठेला दिया जा रहा है।

मंत्री नन्दी ने कहा कि समाज का कोई भी व्यक्ति किसी विपत्ति, दुर्घटना या अभाव के कारण कोई आत्मघाती कदम उठाने को विवश

न हो, कोई ब्याजखोरी और कर्ज के फंदे में उलझ कर फांसी के फंदे पर झूलने के लिए मजबूर न हो, किसी गुण्डे और माफिया की धौंस न सहनी पड़े, किसी अपराधी के हाथों अपनी जान न गंवानी पड़े, कोई मेहनतकश और स्वाभिमानी होते हुए भी अपनी बदहाली के लिए भाग्य को न कोसे, पैसे के अभाव में किसी होनहार बेटे-बेटी को अपनी पढ़ाई न छोड़नी पड़े। इसके लिए समाज के सक्षम और सम्पन्न लोगों को आगे आना होगा। एक परिवार के रूप में समाज की पीड़ा और वेदना से खुद को जोड़ना होगा। मंत्री नन्दी ने कहा कि वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन का उद्देश्य केवल किसी जरूरतमंद की आर्थिक सहायता कर देना भर नहीं है। बल्कि उसे व्यापार से जोड़ कर आत्मनिर्भर बनाना ही लक्ष्य है।

वाया की टीम द्वारा नैनी के चकदोंदी मोहल्ले में रहने वाले मूक बधिर दम्पत्ति संजय अग्रवाल को अपना व्यापार बढ़ाने के लिए आर्थिक सहायता के रूप में दो लाख रूपए का चेक दिया गया। मीरा देवी के दुकान व मकान में आग लगने से सब कुछ नष्ट होने पर पुनः अपने व्यापार को खड़ा करने के लिए पांच लाख रूपए की धनराशि आर्थिक सहायता के रूप में दी गई। अंकित जायसवाल को सात लाख रूपए का चेक दिया गया। इसके प्रयागराज के विभिन्न क्षेत्रों एवं अन्य जनपदों के 21 लोगों को चाय, पकौड़ी, समोसा आदि की दुकानें लगाकर आत्मनिर्भर बनाने के लिए वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन द्वारा मॉडर्न ठेला, दस हजार रूपए का चेक और व्यवसाय प्रारम्भ करने से सम्बंधित सामग्री भी दी गई। जिनमें कोठा पार्चा निवासी मोनू साहू, चाट वाली गली निवासी शुभम साहू, चंदर वेश्सरवानी, राकेश कुमार केसरवानी, मथुरा केसरवानी, अतरसुईया निवासी सीताराम, तम्बाकू गली कीडगंज निवासी बुद्धमती, मुट्ठीगंज निवासी बीरू चाय वाले ज्ञानेंद्र जायसवाल, पूरावल्दी निवासी कमल वेश्सरवानी, सदियापुर निवासी गेंदालाल, सिविल लाइंस निवासी अजय कुमार साहू, मलिहाबाद लखनऊ निवासी धनुषधारी, कानपुर निवासी विनोद केसरवानी, बहादुरगंज निवासी वीरेंद्र कुमार गुप्ता, रामभवन चौराहा निवासी निवेश कुमार अग्रहरि, सुशील, मनकामेश्वर मंदिर कीडगंज निवासी रिंकी वेश्सरवानी, राजकुमार केसरवानी, आदित्य, अश्विनी, उज्जवल गुप्ता, मंजू केसरवानी शामिल रहे।

वैश्य इंटरनेशनल एसोसिएशन के प्रथम राज्य अधिवेशन में शामिल होने के लिए प्रयागराज पहुंचे देश के प्रतिष्ठित घरानों के उद्यमियों ने मंत्री नन्दी के साथ रविवार की सुबह मां गंगा, यमुना एवं सरस्वती की पावन त्रिवेणी संगम में स्नान किया। गंगा दर्शन करते हुए बंधवा महावीर का पूजन-अर्चन किया।

सम्पादकीय

वेनेजुएला कार्रवाई से बदला वैश्विक सत्ता संतुलन

अमेरिका के पांचवें राष्ट्रपति की ओर से मोनरो सिद्धांत की घोषणा के दो सौ वर्ष बाद, और इसकी शक्ति एवं प्रभावशीलता पर व्यापक संदेह के बावजूद वहां के 47वें राष्ट्रपति ने इस सिद्धांत का आह्वान किया। मुझे लगता है कि वर्तमान परिस्थितियों की कल्पना 1823 में भी नहीं की गई थी।

राष्ट्रपति जेम्स मोनरो के नाम पर बनाए गए इस सिद्धांत ने यूरोपीय शक्तियों को अमेरिकी महाद्वीप में नव स्वतंत्र राष्ट्रों के मामलों में हस्तक्षेप न करने की चेतावनी दी थी। दो जनवरी, 2026 की रात को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस सिद्धांत के हर बुनियादी नियम का उल्लंघन किया। उन्होंने अमेरिका की सैन्य शक्ति का इस्तेमाल करते हुए एक संप्रभु देश पर आक्रमण किया, वहां निर्वाचित राष्ट्रपति को बंदी बनाया और उन्हें न्यूयार्क की एक आपराधिक अदालत में मुकदमे के लिए ले गए। यह मोनरो सिद्धांत का एक आश्चर्यजनक विस्तार था।

किसी भी विदेशी शक्ति ने वेनेजुएला के मामलों में हस्तक्षेप नहीं किया था। वेनेजुएला की जनता ने निकोलस मादुरो को राष्ट्रपति चुना था, हालांकि चुनाव परिणाम को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। मादुरो ने भले ही अलोकतांत्रिक और सत्तावादी रुख अपना लिया हो, लेकिन ऐसा करने वाले वे पहले निर्वाचित शासक नहीं हैं।

इस नए सिद्धांत को बुश-ट्रंप सिद्धांत कहना उचित होगा। इसका सबसे करीबी उदाहरण पनामा में अमेरिकी हस्तक्षेप (1989) था। राष्ट्रपति जार्ज बुश सीनियर के नेतृत्व में अमेरिकी सेना ने पनामा पर आक्रमण किया, वहां की सेना को हराया, राष्ट्रपति नोरिएगा को वेटिकन दूतावास में शरण लेने के लिए मजबूर किया और अंततः उन्हें आत्मसमर्पण करने पर विवश किया। अमेरिका का घोषित लक्ष्य पनामा में सत्ता परिवर्तन था। इस सैन्य कार्रवाई के साथ अमेरिका इस क्षेत्र का नया सरदार बन गया।

राष्ट्रपति बुश जूनियर ने इराक में अपना प्रभुत्व दिखाया और तीन राष्ट्रपतियों (बुश जूनियर, ओबामा और ट्रंप) ने क्रमशः अफगानिस्तान में अपने प्रभुत्व की छाप छोड़ी। इराक (2003) के मामले में डब्लूएमडी रखने का झूठा खतरा गढ़ा गया और अफगानिस्तान (2001-2021) के मामले में अल कायदा और तालिबान शासन के विरुद्ध 'आतंकवाद के खिलाफ युद्ध' के नाम पर सेना भेजी गई। दोनों युद्ध विफल साबित हुए।

वेनेजुएला के ताजा मामले में अमेरिका ने राष्ट्रपति मादुरो पर मादक पदार्थों की तस्करी और अमेरिका में नशीले पदार्थ पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है, लेकिन ये ऐसे आरोप हैं जिनका अभी भी कोई सार्वजनिक प्रमाण सामने नहीं आया है।

ट्रंप के बयानों से स्पष्ट है कि वेनेजुएला के तेल भंडार पर नियंत्रण का लक्ष्य हासिल करने के लिए मादुरो को निशाना बनाया गया। वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल भंडार है और वह तेल निर्यात, हथियार आयात तथा विदेशी निवेश के लिए चीन की ओर रुख कर रहा था। अमेरिका यह सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ संकल्पित है कि कोई भी अन्य देश वेनेजुएला में आर्थिक हित हासिल न कर सके।

चार घंटे तक चले एब्सोल्यूट रिजाल्व नामक इस अभियान ने अमेरिकी सशस्त्र बलों की असाधारण तकनीक और खुफिया क्षमता का प्रदर्शन किया। आधी रात को किसी दूसरे देश में घुसकर राष्ट्रपति को बिना नुकसान हिरासत में लेना अब कल्पना नहीं रह गया है।

एब्सोल्यूट रिजाल्व से पहले और बाद में भारत पर किसी का ध्यान नहीं गया। ट्रंप अपने दावों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दो बार झटका दे चुके हैं। सरकार ने वेनेजुएला पर जारी बयान में न तो मादुरो की गिरफ्तारी की निंदा की और न ही अमेरिका की भूमिका का उल्लेख किया।

इस मुद्दे पर भारत ब्रिक्स के संस्थापक देशों और यूरोप के बीच अलग-थलग पड़ गया है। विश्वगुरु के दावों के बावजूद भारत वैश्विक मामलों में अपनी आवाज खोता दिख रहा है।

मुझे डर है कि यह अभियान रूस और चीन को भी खुली छूट देता है। ट्रंप ग्रीनलैंड, रूस यूक्रेन और चीन ताइवान को लेकर संकेत दे चुके हैं। भारत को भविष्य में अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित करनी होगी।

सोमनाथ से 2047 तक, नेहरू बनाम मोदी की वैचारिक लड़ाई में भारत की असली पहचान क्या है?

पंडित जवाहर लाल नेहरू और नरेंद्र मोदी का एक-दूसरे के आमने-सामने हो जाना वैचारिक बहस की नियति है। यही सोमनाथ मंदिर के सवाल पर हो रहा है। 1026 ईस्वी में मोहम्मद गजनी ने इसका विध्वंस किया था। अब एक हजार साल बाद 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसके अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी भागीदारी महज कर्मकांड नहीं होकर वैचारिक प्रतिबद्धता के साथ है। पचहत्तर वर्ष पूर्व 1951 में सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार हुआ था, तब नेहरू उस पुनर्निर्माण के विरुद्ध थे। नेहरू का विरोध कर्मकांड नहीं था। उनकी भी अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता थी।

सोमनाथ मंदिर का धार्मिक महत्त्व एक ज्योतिर्लिंग के रूप में है, लेकिन वैचारिक महत्त्व 'भारत के विचार' की परिभाषा से भी जुड़ा है। देश के दो प्रधानमंत्रियों का एक-दूसरे से विपरीत राय रखना भारतीयता के दो दृष्टिकोणों का प्रतिनिधित्व माना जा सकता है। नेहरू क्यों इसके विरोध में थे? इस प्रश्न का उत्तर उन्होंने स्वयं एक अगस्त 1951 को मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र में दिया है। वे कहते हैं, 'इस देश में बहुत कम लोग यह समझते हैं कि भारत के सांप्रदायिक संगठनों के कारण विदेशों में हमारी साख को कितनी गहरी क्षति पहुंचती है, क्योंकि ये संगठन ठीक उन्हीं प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें पश्चिमी मानसिकता अत्यंत नापसंद करती है और समझ नहीं पाती। हाल ही में सोमनाथ मंदिर का बड़े ठाठ-

बाट और समारोह के साथ उद्घाटन विदेश में भारत और उसके घोषित आदर्शों के बारे में अत्यंत नकारात्मक प्रभाव छोड़ गया है।'

यह बात सामान्य बुद्धि के परे है कि कोई समाज आक्रांता द्वारा विखंडित किए गए मंदिर या ऐतिहासिक स्थल का पुनर्निर्माण करता है, तो वह सांप्रदायिक मान लिया जाएगा। नेहरू की दलील के पीछे हिंदू-मुसलिम सवाल था। संभवतः गजनी के संप्रदाय से उन्होंने समकालीन भारत के मुसलमानों से जोड़ने का प्रयास किया या धार्मिक स्थल के पुनर्निर्माण में राज्य की भूमिका को धर्मनिरपेक्षता की परिभाषा के प्रतिकूल माना। दोनों ही तर्क अविवेकपूर्ण हैं। तभी तो स्वयं उन्हें अपने दल और मंत्रिमंडल में अलग-थलग होना पड़ा था। सरदार पटेल, केएम मुंशी, एनवी गाडगिल जैसे वरिष्ठ मंत्री इस जीर्णोद्धार अभियान के सूत्रधार थे। मुंशी और गाडगिल तो सोमनाथ ट्रस्ट के सदस्य थे और स्वयं राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद इसके वित्तीय मामलों की देखरेख कर रहे थे।

दो मई 1951 को सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर राजेंद्र प्रसाद ने जो कहा, वह वैचारिक बहस की बुनियाद है जो अब तक ठंडे बस्ते में बंद था। राजेंद्र प्रसाद के शब्दों में, 'अपनी राख से फिर उठ खड़ा होकर यह सोमनाथ मंदिर दुनिया के सामने यह घोषणा कर रहा है कि जिस वस्तु के प्रति लोगों के हृदय में असीम श्रद्धा और प्रेम होता है, उसे कोई व्यक्ति और कोई शक्ति कभी नष्ट नहीं कर सकती।'

आज हमारा प्रयास इतिहास को सुधारने का नहीं है। हमारा एकमात्र उद्देश्य फिर से यह घोषित करना है कि हम उस आस्था, विश्वास और उन मूल्यों के प्रति दृढ़ रूप से जुड़े हुए हैं, जिन पर हमारा धर्म अनादि काल से आधारित रहा है। नेहरू चूक गए कि गजनी सिर्फ आक्रांता नहीं था, बल्कि एक विशिष्ट दृष्टिकोण का प्रतिनिधि था, जिसमें तर्क और ताकत दोनों का उपयोग एकरूपता स्थापित करने के लिए किया जाता है।

इसके प्रतिकूल भारतीय सभ्यता प्रयोगधर्मी रही है, जिसे अनुकूल और प्रतिकूल दोनों ही परिस्थितियों में लोगों ने विस्मृत होने नहीं दिया। यही प्रयोगधर्मी स्वभाव बहुलता, विविधता एवं चेतना की असीमित स्वतंत्रता की जननी है। अर्थात आस्था और विवेकवाद दोनों ही समांतर तथा एक-दूसरे के पूरक के रूप में अस्तित्व में रहते हैं। इसी को समझ कर जर्मन विद्वान मैक्समूलर ने लिखा था, 'भारत : हमें क्या सिखाता है?'

पश्चिम के मापदंड के आधार पर भारत कब राष्ट्र बना, यह हमारी चिंता का विषय नहीं होना चाहिए। हम अपने मापदंड से कब से और कैसा राष्ट्र रहे हैं, यह विमर्श का मूल विषय है। यह श्रेय नरेंद्र मोदी को जाता है कि उन्होंने भारत की भूमिका में बुनियादी परिवर्तन किया है। राज्य सभ्यता एवं संस्कृति के प्रश्नों पर उदासीन नहीं रह सकता है। इसलिए वे सभी सूक्ष्म या स्थूल सांस्कृतिक विषय से राज्य एवं राज्यों की एजंसियों से जोड़ते हैं।

प्रश्न उठता है कि क्या ऐसा करना संप्रदायनिष्ठ होना है या नहीं? इसके उत्तर की खोज ही वैचारिक बहस है। भारतवर्ष चौहद्दी से अधिक संस्कृति और सभ्यता के आयामों से पहचान में रहा है। इसमें स्वतंत्र चेतना अबाधित रही है। मगर दूसरे के अस्तित्व की नैतिक और नीतिगत वैधानिकता स्वीकार की जाती है। यही भारत की वैचारिक निरंतरता का सार है। नरेंद्र मोदी इसके अनुकूल भारतीय राज्य को प्रोत्साहित करते हैं। जहां नेहरू सोमनाथ के जीर्णोद्धार में संकोच महसूस कर रहे थे, मोदी के शब्दों में, 'मैं पूरे विश्वास और स्पष्टता के साथ यह कहना चाहता हूं कि सोमनाथ की कहानी, पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी, विनाश की कहानी नहीं है। यह भारत माता की करोड़ों संतानों की अटूट आस्था और अदम्य साहस की कहानी है।'

यह संकीर्ण सवाल नहीं है। यह एक वैश्विक स्तर पर सभ्यताई राष्ट्र की कल्पना को साकार करने की भारतीय जिजीविषा है, जो कभी समाप्त नहीं हो सकती। अंततः बात इस प्रश्न पर सिमट जाती है कि भारत अपनी पहचान, अपनी संस्कृति और सभ्यता अर्जित करेगा या पश्चिम के आईने में उनके अनुकूल ढलेगा? नेहरू पश्चिम जगत के अनुकूल और मोदी भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतिबद्धता पर टिकी दो विचारधाराओं के प्रतिनिधि हैं। इस बहस का चलना ही हमारी जीवंतता है।

कुछ बातें भूल जाइए, लोगों को माफ कर दीजिए, मन भी हल्का होगा, जिंदगी भी

कुछ समय पहले सोशल मीडिया वेबसाइट देखते हुए नफरत से भरे संदेशों को देखकर किसी का भी मन परेशान हो सकता है। ऐसे संदेश के भीतर का मनोविज्ञान समझने पर ऐसा लगता है कि आज के दौर में मनुष्य के मन में घृणा और कट्टरता हावी हो चली है। क्या इतनी घृणा या असहिष्णुता चिंता की बात नहीं? किसी व्यक्ति, समाज या समुदाय के प्रति इस स्तर की कट्टरता या द्वेष रखने पर क्या व्यक्ति मनुष्य कहलाने का अधिकारी रह जाता है? सर्वोच्च शिक्षित व्यक्ति के मन में भी अगर इतनी नफरत है, तो समझा जा सकता है कि अल्पशिक्षित व्यक्ति किस स्तर की कट्टरता और घृणा अपने मन में लेकर बैठा हो सकता है? हालांकि कई बार अनपढ़ माने जाने वाले लोग ही मानवता और संवेदना बचाते देखे गए हैं। ऐसा लगता है कि शैक्षणिक स्तर तो बढ़ रहा है, लेकिन मनुष्यता का स्तर गिरता प्रतीत होता है। ये कैसी शिक्षा है जो व्यक्ति को व्यवहारिकता के निम्नतम स्तर की तरफ लेकर जा रही है?

सोशल मीडिया, इंटरनेट, अनेक नेटवर्किंग वेबसाइट का उद्देश्य लोगों को जोड़ना, उनमें स्नेह का भाव बढ़ाना, अप्रत्यक्ष रूप से उनके बीच स्नेहमयी व्यवहार में वृद्धि करना होना चाहिए था, लेकिन आज के दौर में इसके उलट हो रहा है। सोशल मीडिया पर तस्वीरें डालना तो युद्ध जैसा हो गया है। व्यक्ति दूसरे को नीचा दिखाने के उद्देश्य से मानो यह कहने को तत्पर है कि वह दूसरों से श्रेष्ठ, धनवान और कहीं अधिक सामर्थ्यवान है। यह मनोविकृति का द्योतक है, जिसमें व्यक्ति को दूसरों को नीचा या कमतर दिखाकर खुशी मिल रही है। ऐसा लगने लगा है कि मनुष्य शब्दों और चित्रों का उपयोग सिर्फ शाब्दिक या दृश्य हिंसा करने के लिए करने लगा है। यह स्थिति विस्फोटक है।

अगर व्यक्ति अपने अहंकार या सोशल मीडिया पर जहर बुझे शब्दों के चलते सभी से रिश्ते तोड़ता चला जाएगा तो फिर जुड़ा किससे रह सकेगा? कहीं यह आने वाले समय में एकाकी समाज की दस्तक तो नहीं, जिसमें व्यक्ति अपने आप में एकदम तन्हा और अकेला रह जाए?

अगर मन में घृणा या असहिष्णुता आ भी जाए, तो व्यक्ति को क्षमा करने का भाव विकसित करना चाहिए। उसे असहिष्णु नहीं बनना चाहिए। असहिष्णु या घृणा भाव से भरा व्यक्ति अक्सर यह मानता है कि अगर वह किसी को माफ नहीं करेगा, तो सामने वाले को कष्ट होगा। सच इसके उलट है। जब व्यक्ति द्वेष और घृणा के कारण किसी को क्षमा नहीं करता और शाब्दिक विष वमन करता रहता है, तो असली कष्ट उसी को होता है। किसी को क्षमा न करके या दुर्वचन से व्यक्ति उस घटना के दुख या नकारात्मकता को अपने अंदर भर लेता है। ऐसा करना व्यक्ति को कमजोर और निराश बनाता है।

इसलिए क्षमा करना और बात को भुलाना सीखना उचित है। किसी को क्षमा करने का यह अर्थ नहीं कि व्यक्ति सामने वाले पर कृपा या दया कर रहा है। वास्तविक बात यह है कि किसी को क्षमा करके व्यक्ति खुद नकारात्मकता और पीड़ा के भार से मुक्त होता है। क्षमा खुद के भले के लिए की जाती है, न कि सामने वाले के भले के लिए। इसलिए भूलना सीखना चाहिए।

नया साल केवल तारीख नहीं, सोच बदलने और जिंदगी को नई शुरुआत देने का अवसर है; कुछ भूलें और कुछ नया करें

अगर घृणा मिट नहीं रही हो, तो पत्र लेखन करना चाहिए। पत्र में बताना चाहिए कि मूल कष्ट क्या है। वह कष्ट क्यों हुआ और सोशल मीडिया पर शाब्दिक हिंसा का क्या कारण था। यह लिखकर सामने वाले को क्षमा कर देना उचित है। पत्र सामने वाले पक्ष को दिया जाना या नष्ट करना व्यक्ति के अधिकार क्षेत्र में है, लेकिन इसका लेखन मन के गुबार और द्वेष को निकाल देता है। मन का गुबार निकलने पर क्षमा करना आसान हो जाता है।

क्षमा करने का भाव विकसित करने के लिए व्यक्ति को उन लोगों की सूची बनानी चाहिए, जिनसे शिकायत है। यह लिखना चाहिए कि किस आदत के चलते क्षमा करना मुश्किल हो रहा है। अधिकांश मामलों में शिकायत से बड़ा होता है व्यक्ति का अहंकार और सूची देखते ही व्यक्ति समझ जाता है कि उसने अपने अहं के चलते अधिकतर बंधुओं से संबंध बिगाड़ लिए हैं। इसके बाद रिश्तों के निर्माण के लिए व्यक्ति फिर विचार करने लगता है।

ईर्ष्यालु व्यक्ति को दूसरों की खुशी, श्राप या खुले घाव की तरह पीड़ादायक लगती है। उसे सहन ही नहीं होता कि कोई उससे आगे बढ़े। जब कोई आगे बढ़ता है तो ईर्ष्यालु व्यक्ति के मस्तिष्क का जहर गर्म हो जाता है और उसे षड्यंत्र सूझने लगते हैं। ऐसे में इनसे बचाव का एक ही तरीका है कि ईर्ष्या पैदा ही न होने दी जाए।

घृणा होने पर समझाया जाए कि जीवन बहुत छोटा और पानी का बुलबुला मात्र है। मनुष्य इस छोटी-सी बात को नहीं समझ पा रहा कि सहयोग, सत्कार, प्रेम और आपस में समन्वय स्थापित करने में ही जीवन का आनंद छिपा है। छोटे से इस जीवन की अवधि का अधिकांश हिस्सा अगर परस्पर घृणा करने, लड़ाई लड़ने, हानि पहुंचाने, दूसरों को परेशान करके खुद भी परेशान होने में बिता दिया तो फिर जीवन कब जी पाएंगे?

समस्या ये है कि व्यक्ति समाज से, प्रकृति से, साहित्य से कट-सा गया है और मोबाइल की आभासी दुनिया में बेवजह व्यस्त है। इस कारण व्यक्ति मानो अंदर से सूख गया है और यही घृणा और द्वेष का कारण है। क्षमादान से, उत्तम स्वाध्याय से तथा छोटी बातों पर अधिक ध्यान न देकर मन के जहर को निकाला जा सकता है। यही जीने का सलीका है।

देश की खेती महिलाओं के भरोसे है, फिर कृषि शोध और नए मॉडल की दिशा कोई और क्यों करता है तय?

देश में खेती-बागवानी में महिलाओं की भूमिका अहम है। फसलों की बुआई से लेकर कटाई तक और मौसम की आहट को समझने का महिलाओं का अनुभव, ये सब मिलकर भारतीय कृषि को आगे बढ़ाता है। मगर विडंबना यह है कि जब खेती के ज्ञान-विज्ञान और नीति की बात आती है, तब महिला की मौजूदगी कमजोर पड़ जाती है। खेत में सबसे अधिक श्रम देने वाली महिला, कृषि-विज्ञान और निर्णय प्रक्रिया में हाशिये पर चली जाती है। यही भारतीय कृषि की सबसे गहरी और अनदेखी असमानता है।

देश में कृषि कार्यबल का बड़ा हिस्सा महिलाओं का है। ग्रामीण भारत में अधिकांश महिलाएं किसी न किसी रूप में खेती से जुड़ी हैं। वे फसल बोती हैं, उनकी देखरेख करती है, फसल काटती हैं, पशु संभालती हैं, बीज सहेजती हैं, अनाज सुखाती हैं और खाद्य प्रसंस्करण करती हैं। इसके बावजूद उनका योगदान सिर्फ श्रम के खाते में दर्ज होता है, ज्ञान के खाते में नहीं। कृषि ऋण, बीमा, तकनीक और बाजार तक भी महिलाओं की पहुंच सीमित रहती है। कृषि से जुड़े फैसले अब भी पुरुष प्रधान ढांचों में लिए जाते हैं। यही कारण है कि कृषि-विज्ञान, शोध और नवाचार के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी अपेक्षा से बहुत कम दिखाई देती है।

कृषि विश्वविद्यालयों में नामांकन के आंकड़े पहली नजर में आश्वस्त करते हैं। स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर छात्राओं की संख्या लगभग बराबरी पर पहुंच चुकी है। मगर यह समानता सतही है। डिग्री हासिल करने के बाद शोध संस्थानों, विस्तार सेवाओं, कृषि प्रौद्योगिकी कंपनियों और नीति निर्माण से जुड़े मंचों पर महिलाओं की उपस्थिति तेजी से घट जाती है। कई बार पारिवारिक जिम्मेदारियां, आर्थिक दबाव और सामाजिक अपेक्षाएं उनके रास्ते रोक लेती हैं। नतीजा यह होता है कि खेत में काम करने वाली महिलाओं की वास्तविक जरूरतें शोध का हिस्सा नहीं बन पातीं।

उनके शरीर के अनुकूल औजार, उनके समय को समझने वाली तकनीक और उनके स्वास्थ्य को ध्यान में रखने वाले नवाचार विकसित नहीं हो पाते। इतना ही नहीं, ग्रामीण महिला किसान का जीवन केवल खेत तक सीमित नहीं रहता। पानी भरना, ईंधन जुटाना, भोजन पकाना, बच्चों और बुजुर्गों की देखभाल, पशुओं की जिम्मेदारी इन सबका भार उनकी दिनचर्या में जुड़ा रहता है। यह दोहरा बोझ उनके सीखने और आगे बढ़ने के अवसरों को सीमित कर देता है।

लगातार झुकी हुई मुद्रा में काम करने से होने वाले स्वास्थ्य प्रभाव, थकान और समय की कमी को कृषि नीति तथा विज्ञान की बहसों में अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। ऐसे में जब विज्ञान जीवन से कट जाता है, तब उसका लाभ भी सीमित रह जाता है। ग्रामीण महिलाओं के पास पारंपरिक कृषि ज्ञान की अपार संपदा है। मौसम के संकेत, मिट्टी की प्रकृति, बीजों की गुणवत्ता, फसलों की विविधता यह सब अनुभव से अर्जित विज्ञान है।

यदि इस ज्ञान को औपचारिक शिक्षा और आधुनिक शोध से जोड़ा जाए, तो कृषि नवाचार अधिक व्यावहारिक, मानवीय और टिकाऊ बन सकता है। इसलिए कृषि-विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी किसी सामाजिक संवेदना का प्रश्न नहीं, बल्कि कृषि की गुणवत्ता और भविष्य से जुड़ा रणनीतिक मुद्दा है। कर्नाटक के कोलार की एक युवती इसका सशक्त उदाहरण है। छोटे किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाली इस युवती ने फसल की कटाई के बाद होने वाले नुकसान को खेत में खड़े होकर महसूस किया। वही अनुभव उनके शोध की दिशा बना।

अब वह आम उत्पादकों के लिए ऐसी तकनीक पर काम कर रही हैं, जिससे फसल नुकसान कम हो और आय बढ़े। यह शोध प्रयोगशाला की कल्पना नहीं, बल्कि खेत की वास्तविक जरूरत से निकला समाधान है। ऐसे ही देश भर में और भी कई युवतियां शोध तथा खेत के बीच की दूरी कम करने के लिए प्रयासरत हैं।

स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने के बाद कई युवतियां कृषि में शोध और नवाचार के कार्यों से जुड़ना चाहती हैं, लेकिन आर्थिक और सामाजिक बाधाएं उनका रास्ता रोक देती हैं। सीमित आय के कारण उच्च शिक्षा उनके लिए दूर का सपना बन जाती है। प्रवेश शुल्क, छात्रावास और पाठ्यक्रम से जुड़ी लागत उनके सामने बड़ी बाधा बन जाती है।

फसल विविधता और सतत खेती के माध्यम से ग्रामीण जीवन को अधिक सुरक्षित एवं टिकाऊ बनाने के लिए खेती में महिलाओं के अनुभव को शोध एवं नवाचार से जोड़े जाना बेहद जरूरी है। कोर्टेवा एग्रीसाइंस, दक्षिण एशिया के अध्यक्ष सुब्रत गीड के अनुसार, भारत में किसान परिवारों की अनेक बेटियों को उच्च शिक्षा इसलिए छोड़नी पड़ती है, क्योंकि शुल्क, छात्रावास और पुस्तकों का खर्च उनकी आर्थिक क्षमता से बाहर होते हैं।

ऐसे में मेधा-आधारित छात्रवृत्तियों का विस्तार, महिला विद्यार्थियों के लिए अवसर बढ़ाना और समुदाय-आधारित प्रशिक्षण को शिक्षा से जोड़ना इस प्रतिभा-शृंखला को बनाए रखने में मदद करता है। जब कृषि में काम करने वाली महिलाओं को ज्ञान, कौशल और अवसर मिलते हैं, तब उसका लाभ कुछ लोगों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा कृषि समुदाय मजबूत होता है। यानी सही समय पर मिला सहयोग प्रतिभा को टूटने से बचा सकता है।

इसी संदर्भ में कृषि क्षेत्र में महिलाओं के लिए चलाए जा रहे छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का महत्त्व समझा जाना चाहिए। इनका उद्देश्य केवल शुल्क भरना नहीं, बल्कि छात्राओं को अवसर देना, शोध और नवाचार में उनकी निरंतर उपस्थिति सुनिश्चित करना तथा कृषि-विज्ञान में उनका नेतृत्व विकसित करना है।

ऐसी पहल यह संदेश देती हैं कि ग्रामीण पृष्ठभूमि की बेटियां भी प्रयोगशालाओं, शोध संस्थानों और नीति मंचों तक पहुंच सकती हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से वर्ष 2026 को 'अंतरराष्ट्रीय महिला किसान वर्ष' घोषित किया जाना इसी दिशा में वैश्विक स्वीकारोक्ति है। इस घोषणा से पता चलता है कि महिलाएं केवल कृषि की लाभार्थी नहीं हैं, बल्कि खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण समृद्धि और जलवायु अनुकूलन की वाहक भी हैं।

भारत में पुरुषों के शहरों की ओर बढ़ते पलायन से खेती की जिम्मेदारी तेजी से महिलाओं पर आ रही है, पर इस जिम्मेदारी के साथ उन्हें अधिकार और संसाधन नहीं मिल पाए हैं। यही असंतुलन भविष्य के लिए चुनौती बनता जा रहा है। हालांकि, सरकारी स्तर पर कई तरह की पहल शुरू की गई हैं, जिनमें महिला किसान सशक्तीकरण परियोजना, कृषि मशीनीकरण से जुड़ी योजनाएं, स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा और ग्रामीण महिला उद्यमिता कार्यक्रम शामिल हैं।

ये कार्यक्रम दिशा तो दिखाते हैं, पर इनका असर तभी होगा, जब शिक्षा और नेतृत्व को केंद्र में रखा जाएगा। जलवायु परिवर्तन ने कृषि की चुनौतियों को और भी गंभीर बना दिया है। सूखा, बाढ़ और अनिश्चित मौसम का सबसे गहरा असर महिला किसानों पर पड़ता है। इसलिए जलवायु-अनुकूल खेती, फसल विविधता और बाजार से सीधा जुड़ाव उनके लिए विकल्प नहीं, आवश्यकता बन चुके हैं।

किसान दिवस जैसे अवसर केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित नहीं रहने चाहिए। कृषि में महिलाओं की शिक्षा पर किया गया निवेश पूरे ग्रामीण समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकता है। जब खेत की मिट्टी से निकली बेटी प्रयोगशाला में खड़ी होती है, तब विज्ञान को असल जमीन मिलती है। यही जमीन देश की कृषि को अधिक संवेदनशील, टिकाऊ और सुरक्षित भविष्य की ओर ले जा सकती है।

पुलिस की तत्परता बढ़ाने के लिए एसपी ने कराया स्मॉल आर्म्स फायरिंग अभ्यास

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। पुलिस बल की कार्यकुशलता और आपात स्थितियों से निपटने की तैयारी को और मजबूत करने के उद्देश्य से शनिवार को पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के नेतृत्व में सरपतहां शॉर्ट रेंज फायरिंग बट पर समस्त अधिकारी एवं कर्मचारियों के साथ स्मॉल आर्म्स फायरिंग अभ्यास आयोजित किया गया। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल, क्षेत्राधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

फायरिंग अभ्यास में सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करते हुए निशानेबाजी, हथियार संचालन, सांस नियंत्रण, ट्रिगर कंट्रोल तथा दबाव में सही निर्णय लेने का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही आपात परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया और भीड़ नियंत्रण के लिए आंसू गैस के प्रयोग का भी अभ्यास कराया गया।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में आम आदमी पार्टी का प्रदेशव्यापी प्रदर्शन

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे कथित अत्याचारों, मंदिरों पर हमलों, महिलाओं-बच्चों के साथ बर्बरता तथा जबरन पलायन के विरोध में रविवार को आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से पार्टी ने केंद्र सरकार की चुप्पी और विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए विरोध दर्ज कराया। इस दौरान महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा गया।

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह के निर्देश पर आयोजित इस प्रदर्शन में कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है, लेकिन भारत सरकार की ओर से कोई ठोस कूटनीतिक पहल नहीं की जा रही है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले गंभीर चिंता का विषय हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि वह इस मुद्दे पर स्पष्ट और कठोर रुख अपनाए। वहीं जिला प्रभारी सूर्य नारायण सिंह ने कहा कि देश की विदेश नीति में मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और किसी भी स्थिति में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचारों की अनदेखी नहीं की जा सकती।

प्रदर्शन के दौरान आम आदमी पार्टी ने मांग की कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित होने तक व्यापारिक व कूटनीतिक संबंधों की समीक्षा, बिजली आपूर्ति एवं अन्य आर्थिक सहयोग पर पुनर्विचार किया जाए।

इस संबंध में राष्ट्रपति के नाम सौंपे गए ज्ञापन में ठोस कदम उठाने की अपील की गई।

प्रदर्शन के दौरान पुलिस द्वारा की गई सख्ती को लेकर आम आदमी पार्टी ने असहमति जताई और कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से उठाई जा रही आवाज को दबाया नहीं जाना चाहिए।

इस अवसर पर सूर्य नारायण सिंह, कृष्ण अवतार राही, मनोज गुप्ता, विद्यासागर यादव, शिवकुमार मौर्य, रामप्रसाद यादव, सरताज अंसारी, विमेंद्र विश्वकर्मा, वीरेंद्र गौड़, इजहार अहमद, संतोष यादव, सुल्तान अशरफ, पवन सिंह, हरिशंकर पाल, वरुण यादव, विनय बिंद, अरुण पासवान, नंदलाल पाण्डेय, श्यामलाल मौर्य, जाहिद अंसारी, श्यामलाल पटेल, के.पी. गुप्ता, संगम पासी, सोहन लाल सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पर्यावरण व स्वास्थ्य जागरूकता के लिए निकाली गई साइकिल यात्रा

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। भदोही साइकिलिंग क्लब द्वारा पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली के संदेश के साथ जागरूकता साइकिल यात्रा निकाली गई। यात्रा का नेतृत्व क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी ने किया। साइकिल यात्रा गोपीगंज बड़ा चौराहा से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए वृंदावन गार्डेन पर्वतपुर पहुंची, जहां समाजसेवी धर्मेंद्र यादव व जगदीश यादव ने साइकिल चालकों का स्वागत किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने साइकिल व योग को स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए लाभकारी बताया। हरी झंडी दिखाकर यात्रा को आगे रवाना किया गया, जो विभिन्न गांवों में नारे लगाते हुए अमवा माफी पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

मनरेगा बचाओ संग्राम : गांधी पार्क में कांग्रेस का एक दिवसीय उपवास

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम के तहत ज्ञानपुर स्थित गांधी पार्क में कांग्रेस पार्टी द्वारा एक दिवसीय उपवास का आयोजन किया गया। उपवास का नेतृत्व जिला कांग्रेस कमेटी भदोही के अध्यक्ष वसीम अंसारी ने किया।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कोऑर्डिनेटर दयाशंकर पांडेय एवं जिला अध्यक्ष वसीम अंसारी ने संयुक्त बयान जारी कर कहा कि मनरेगा ग्रामीण गरीबों की आजीविका का मजबूत आधार है, लेकिन मजदूरों को समय से काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है। मनरेगा बचाओ संग्राम के कोऑर्डिनेटर सुरेश चंद्र मिश्रा एवं पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार दुबे 'राजन' ने योजना को कमजोर किए जाने पर चिंता व्यक्त की।

निवर्तमान प्रदेश सचिव राकेश मौर्य एवं किसान कांग्रेस सोशल मीडिया के राष्ट्रीय सहसंयोजक विकास मिश्रा ने मनरेगा को ग्रामीण भारत की जीवनरेखा बताते हुए इसे मजबूत करने की मांग की। कांग्रेस पार्टी ने मनरेगा में पर्याप्त बजट आवंटन, मजदूरी दर बढ़ाने तथा लंबित भुगतान शीघ्र करने की मांग करते हुए आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया।

उपवास कार्यक्रम में पंडित दीनानाथ दुबे, प्रेम बिहारी उपाध्याय, राजेश दूबे, राजेश्वर दुबे, मुशीर इकबाल, सुबुकतगीन अंसारी, त्रिलोकी नाथ बिन्द, विकास मिश्रा, मृत्युंजय पांडेय, हसनैन अंसारी, दीपक पांडेय, स्वालेह अंसारी, जज लाल राय, राजेंद्र मौर्य, संजय जायसवाल, नाजिम अली, अवधेश पाठक, शिवपूजन मिश्र, महेश मिश्रा, सुरेश चौहान आदि मौजूद रहे।

मिशन शक्ति फेज-5.0 के तहत महिलाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। कम्युनिटी पुलिसिंग एवं महिला सुरक्षा, सम्मान व सशक्तिकरण को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में महिलाओं व बालिकाओं को साइबर जागरूकता, कानूनी प्रावधानों तथा पुलिस की कार्यप्रणाली की जानकारी दी गई। महिला बीट अधिकारियों द्वारा गांवों, कस्बों, स्कूलों व सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल आयोजित कर 'डरे नहीं, सहे नहीं–आवाज उठाएं' का संदेश दिया गया। इस दौरान 1090, 112, 1076, 1098, 108 व साइबर हेल्पलाइन 1930 सहित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई तथा महिला हेल्प डेस्क, पिंक बूथ, मिशन शक्ति केंद्र व महिला पीआरवी जैसी सुविधाओं से अवगत कराते हुए पम्पलेट वितरित किए गए।

नवजात शिशु का शव मिलने से गांव में मचा हड़कंप, पुलिस जांच में जुटी

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। कोतवाली गोपीगंज क्षेत्र के ज्ञानपुर ब्लॉक अंतर्गत गिराई गांव के पाल बस्ती में रविवार की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब एक हाते के भीतर लगभग सात माह के नवजात शिशु का शव बरामद हुआ। शव मिलने की सूचना फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, गिराई गांव निवासी राजन मिश्रा के हाते में रविवार सुबह कुछ महिलाएं भूसा निकालने के लिए पहुंची थीं। इसी दौरान उनकी नजर भूसे के पास पड़े नवजात शिशु के शव पर पड़ी, जिसे कुछ बिल्लियां नोच रही थीं। यह दृश्य देखकर महिलाएं घबरा गईं और शोर मचाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते गांव के पुरुष व महिलाएं भी मौके पर पहुंच गए।

ग्रामीणों द्वारा मामले की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही तत्काल गोपीगंज चौकी इंचार्ज कुलदीप मिश्रा दीवान मिथिलेश सिंह सहित पीआरबी मौके पर पहुंची और नवजात शिशु के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की।

ग्रामीणों ने आशंका जताई कि क्षेत्र में नर्सिंग होम और कथित रूप से अनाधिकृत अस्पतालों की संख्या अधिक है। ऐसे में लोक-लाज या सामाजिक भय के चलते किसी द्वारा नवजात शिशु के शव को रात के अंधेरे में यहां फेंक दिया गया होगा।

इस संबंध में पुलिस का कहना है कि नवजात शिशु के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और दोषियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

घटना के बाद से गांव में दहशत और चर्चा का माहौल बना हुआ है।

प्रदीप यादव की घातक बल्लेबाजी से कोइरौना ने जीता फाइनल मैच

मंत्र भारत संवाददाता

जंगीगंज। डीघ ब्लॉक के केवलपुर-सोनेचा में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल मैच में कोइरौना और सुजातपुर के मध्य मैच खेला गया। जहां कोइरौना ने सुजातपुर की टीम को हराकर जीत दर्ज की, कोइरौना के खिलाडी प्रदीप यादव को मैन ऑफ़ द मैच दिया गया।

केवलपुर में रविवार को आयोजित फाइनल मैच में सुजातपुर की टीम ने टॉस जीता और पहले गेंदबाज़ी करने का निर्णय लिया। कोइरौना की टीम ने 14 ओवर में 147 रन बना कर आल आउट हो गई। कोइरौना की टीम में प्रदीप यादव की धुवादार बल्लेबाजी से कोइरौना की टीम मजबूत स्थिति में पहुंच गई। प्रदीप यादव ने 38 गेंद खेलकर 75 रन बनाये जिसमें नौ छक्का और दो चौका शामिल था। जवाब में उतरी सुजातपुर की टीम कोइरौना के खिलाड़ियों के सामने कुछ खास न कर सकी और पूरी टीम 14वे ओवर मात्र 86 रन बनाकर आल आउट हो गई। और कोइरौना की टीम ने फाइनल मैच जीत लिया। दोनो टीम के खिलाडियों को डॉ आजाद दूबे ने पुरस्कृत किया। डॉ आजाद दूबे ने कहा कि खेल से आपसी प्रेम और भाईचारा का विकास होता है और खेल से प्रतिभाओं का भी विकास होता है। इस मौके पर भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ईश्वर में अनुरक्ति ही वास्तविक भक्ति : पन्नालाल

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति के उपरांत जब हृदय से भक्त और भगवान का संबंध स्थापित हो जाता है, तभी वास्तविक रूप में भक्ति का आरंभ होता है। भक्ति केवल एकतरफा प्रेम नहीं, बल्कि भगवान और भक्त के बीच ओत-प्रोत भाव की अवस्था है। यह विचार सद्गुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के संदेशों को दोहराते हुए पन्नालाल ने निरंकारी सत्संग भवन, रजपुरा भदोही के प्रांगण में आयोजित संत समागम में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि स्वार्थवश की गई ईश्वर स्तुति भक्ति नहीं कहलाती। भक्ति तो हर क्षण, हर कर्म में ईश्वर को स्मरण करते हुए जीवन जीने का नाम है, जो मनुष्य का स्वभाव बन जाना चाहिए। भक्त का जीवन तभी सच्चे अर्थों में भक्ति से परिपूर्ण होता है, जब उसके आचरण और व्यवहार से प्रेम, सेवा और सद्भाव की अनुभूति हो।

उन्होंने आगे कहा कि सत्गुरु के चरणों में स्वयं को समर्पित कर आनंदमय एवं उत्सवपूर्ण जीवन जीना ही सच्ची भक्ति है। गुरु के वचनों को सत्य मानकर जीवन में उतारना और हर पल शुकराने के भाव में रहना ही सच्चे भक्त की पहचान है। भक्त अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए दूसरों के सुख-दुख में सहभागी बनकर समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है।

कार्यक्रम के अंत में स्थानीय संयोजक राजेश कुमार ने उपस्थित श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संत समागम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

सीताराम कंट्रक्सन पर अल्ट्राटेक कम्पनी के अधिकारियों ने की बैठक

भदोही। औराई क्षेत्र अंतर्गत जीटी रोड कोठरा स्थित सीताराम कंट्रक्सन पर अल्ट्राटेक कम्पनी के अधिकारियों ने ठेकेदार, राजमिस्त्री, वरिष्ठ नागरिको व ग्राहकों के साथ बैठक किया है।कार्यक्रम में अल्ट्राटेक कम्पनी के तकनीकी अधिकारी मनोरमा कुशवाहा व अमित कुमार गुप्ता कम्पनी के उत्पाद व सेवाओं के बारे विस्तृत जानकारी दिया।बैठक में अधिकारियों ने अल्ट्राटेक सीमेंट को डेमो के माध्यम से असली व नकली का पहचान बताया। सीताराम कंट्रक्सन के डायरेक्टर विजय शंकर दुबे ने कहा कि सपनों का घर बार-बार नहीं बनाया जाता है, जब भी किसी ब्यक्ति को किसी तरह का निर्माण कार्य कराना हो तब वह सोच-विचार कर कार्य करें।क्योंकि इस समय कुछ सीमेंटों में मिलावटखोरी चल रही है।विजय शंकर दुबे ने कहा कि बिल्डिंग मटैरियल सम्बन्धित शुद्ध सामानों की खरीदारी करने के लिए सीताराम कंट्रक्सन पर सम्पर्क करें।

इस अवसर पर विष्णु दुबे विनोद तिवारी भयंकर गुरु लक्ष्मी शंकर मिश्रा राकेश दुबे राजनरायन दुबे भूपेंद्र शुक्ला अजय सरोज ठेकेदार आजाद, मिस्त्री आशा राम, संतोष सरोज वकील आदि उपस्थिति रहे है

64 वर्षीय योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने बनाया विश्व रिकॉर्ड, भदोही को दिलाया गौरव

भदोही। जनपद भदोही के लिए गर्व का विषय बनते हुए 64 वर्षीय वरिष्ठ योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने योग के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित कर योगा बुक ऑफ रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है। विगत 38 वर्षों से योग साधना में निरंतर सक्रिय योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने एक ही आसन को एक मिनट में 84 बार लगातार पूरक-रेचक क्रिया के साथ कर यह उपलब्धि हासिल की।

यह रिकॉर्ड 16 दिसंबर को योगा बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा नियुक्त निर्णायक एवं गवाहों की उपस्थिति में सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया गया, जिसे मान्यता प्रदान की गई। इस उपलब्धि के साथ योगाचार्य विजय श्रीवास्तव ने न केवल भदोही जनपद बल्कि उत्तर प्रदेश को भी विश्व पटल पर योग के क्षेत्र में गौरवान्वित किया है। योगाचार्य की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर योग प्रेमियों, स्थानीय नागरिकों एवं विभिन्न योग संस्थानों द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयां दी जा रही हैं।

निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत जनपद के तीनों विधानसभा में ड्राफ्ट मतदाता सूची का हुआ वाचन

जिला निर्वाचन अधिकारी के निरीक्षण व उनके उपस्थिति में जनपद के विभिन्न मतदेय स्थलों पंचायत भवन मुंशीलाटपुर, पिपरिस, वुडवर्ड स्कूल, एमए समद कॉलेज आदि पर बीएलओ द्वारा जनसामान्य, बीएलए के समक्ष ड्राफ्ट सूची पढ़कर सुनाई गई

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। भारत निर्वाचन आयोग एवं कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत आज 11 जनवरी 2026 को जनपद भदोही की तीनों विधानसभा क्षेत्रों–392 भदोही, 393 ज्ञानपुर एवं 394 औराई–के समस्त मतदेय स्थलों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची का वाचन पूर्वाह्न 11बजे से सायं 4 बजे तक किया गया।

अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ0प्र0लखनऊ द्वारा दिये गये निर्देश के क्रम मे दिनांक 06.01.2026 को प्रकाशित आलेख्य मतदाता सूची को दिनांक 11.01.2026 को जनपद मे अवस्थित समस्त विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में बी0एल0ओ0 द्वारा अपने मतदेय स्थल पर पढ़कर सुनाया गया है। उक्त कार्यक्रम के दौरान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों से सम्बन्धित समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्रत्येक मतदेय स्थल पर फार्म-6, 7, 8 एवं घोषणा पत्र की उपलब्धता भी सुनिश्चित की गयी है।

उक्त के साथ ही जिन मतदाताओं के नाम आलेख्य मतदाता सूची में नहीं हैं, उनसे फार्म-6 एवं घोषणा पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज सम्बन्धित बी0एल0ओ0 को उपलब्ध कराने हेतु अनुरोध किया गया है। जनसामान्य के अवलोकन हेतु आलेख्य मतदाता सूची की पी.डी.एफ. जनपद भदोही की वेबसाइट www.bhadohi.nic.in पर भी अपलोड की गयी है। यदि उक्त मतदाता सूची में किसी निर्वाचक का नाम छूट गया है अथवा कोई संशोधन अपेक्षित है तो सम्बन्धित मतदाता फार्म-6 मय घोषणा पत्र (नए मतदाताओं के लिए), फार्म-7 (मतदाता सूची से नाम अपमार्जन हेतु) एवं फार्म-8 (मतदाता सूची में प्रविष्टि में संशोधन अथवा स्थानान्तरण किये जाने हेतु) में पूर्ण विवरण भरकर एवं आवश्यक दस्तावेज संलग्न कर बी.एल.ओ. को उपलब्ध करा दें।'

इस विशेष अभियान का संचालन जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेष कुमार की उपस्थिति एवं निर्देशन में किया गया। सभी मतदेय स्थलों पर नियुक्त बूथ लेवल ऑफिसर द्वारा जनसामान्य एवं बूथ लेवल एजेंट (ँ) के समक्ष ड्राफ्ट मतदाता सूची पढ़कर सुनाई गई। इस दौरान ँ के पास फॉर्म-6, फॉर्म-7, फॉर्म-8 एवं डिक्लेरेशन फॉर्म पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहे। मतदाताओं को यह भी सूचित किया गया कि यदि ड्राफ्ट मतदाता सूची में किसी प्रकार की त्रुटि, दावा अथवा आपत्ति हो तो वे संबंधित ँ को निर्धारित प्रपत्रों पर अवगत करा सकते हैं।

विशेष पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत सभी निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ँ), सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ँ), ँ सुपरवाइजर एवं अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा कार्यक्रम की सतत समीक्षा की गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी कुंवर वीरेंद्र मौर्य द्वारा भी विभिन्न मतदेय स्थलों का भ्रमण कर कार्यों का निरीक्षण किया गया।

विंध्याचल मंडलायुक्त एवं रोल ऑब्जर्वर राजेश प्रकाश की उपस्थिति में विधानसभा 394-औराई के अंतर्गत काशीराज इंटर कॉलेज के बूथ संख्या 222, 223 एवं 224 तथा कंपोजिट विद्यालय माधोसिंह (घोसिया) के बूथ संख्या 174 से 182 (कुल 09 बूथ) पर ँ द्वारा ड्राफ्ट मतदाता सूची का वाचन कराया गया। इस अवसर पर जनसामान्य एवं बूथ लेवल एजेंटों की उपस्थिति रही।

जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी भदोही द्वारा पंचायत भवन मुंशीलाटपुर, पिपरिस, वुडवर्ड पब्लिक स्कूल, एम.ए.समद इंटर कॉलेज, कंपोजिट विद्यालय हरियाव सहित सभी मतदेय स्थलों पर ड्राफ्ट मतदाता सूची पढ़कर सुनाई गई।

सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान कंपोजिट विद्यालय सहसेपुर, प्राथमिक विद्यालय विठ्ठलपुर, कठारी, काशीराज इंटर कॉलेज सहित समस्त मतदेय स्थलों पर सूची का वाचन कराया गया।

पूर्वाह्न 11 बजे से सायं 4 बजे तक सभी पोलिंग स्टेशनों पर ँ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। साथ ही ँ सुपरवाइजर, ँ एवं ँ अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर फील्ड में सक्रिय रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा स्वयं भी विभिन्न मतदेय स्थलों का निरीक्षण किया गया। मंडलायुक्त द्वारा पर्यवेक्षक के रूप में कार्यक्रम की अनुपालन का जायजा लिया गया।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत ड्राफ्ट मतदाता सूची के वाचन का उद्देश्य मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता एवं अधिकतम जन सहभागिता सुनिश्चित करना है, जिससे प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम निर्वाचक नामावली में सम्मिलित हो सके।

युवती के घर रखा था 'रहस्यमयी बक्सा'! पुलिस ने खोला तो अंदर से निकला करोड़ों का खौफनाक राज

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कानपुर से नशे की तस्करी का एक बड़ा मामला सामने आया है। किदवई नगर इलाके में पुलिस को एक युवती के घर से एक पुराना बक्सा मिला, जिसे खोलते ही अफसर भी हैरान रह गए। इस बक्से में 10-10 रुपये के हजारों सिक्के भरे हुए थे। यह युवती कोई आम लड़की नहीं, बल्कि नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह की महिला सरगना निकली। पुलिस ने इस गिरोह के कुल पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिनमें यह महिला भी शामिल है। इनके पास से भारी मात्रा में गांजा और नकदी बरामद की गई है।

कानपुर पुलिस ने बीते 10 दिनों में नशीले पदार्थों की तीन बड़ी खेपें पकड़ी हैं। तीसरी बार भी गांजा नेपाल से तस्करी कर कानपुर लाया गया था। इस कार्रवाई में सजेती और किदवई नगर पुलिस ने मिलकर करीब 2.50 करोड़ रुपये कीमत का गांजा बरामद किया है। साथ ही पांच तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। महिला सरगना के घर से एक बक्से में 33 हजार रुपये के 10 रुपये के सिक्के भी मिले हैं।

पूछताछ में आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वे गांजा नेपाल और उड़ीसा से खरीदते थे। पकड़े जाने के डर से पहले इसे बस और ट्रक के जरिए प्रयागराज होते हुए बांदा लाया जाता था। इसके बाद वहां से चार पहिया गाड़ियों के जरिए गांजा कानपुर पहुंचाया जाता और शहर में सप्लाई किया जाता था। पुलिस ने इनके पास से टाटा कार, बोलेरो और पांच मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं।

डीसीपी दक्षिण कार्यालय में हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने बताया कि शहर में नशे की तस्करी की शिकायतों के बाद क्राइम ब्रांच और थाना पुलिस को मिलकर कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। इसी दौरान किदवई नगर पुलिस ने कंजड़नपुरवा इलाके में रहने वाले दीपा और दीप को गिरफ्तार किया। इनके पास से 21 किलो गांजा और 5.43 लाख रुपये नकद बरामद किए गए। इसमें से 12 किलो गांजा और पूरी नकदी दीपा के घर से मिली।

पुलिस को गाड़ियों की तलाशी के दौरान बोरियों में भरा हुआ करीब 2.12 क्विंटल गांजा भी मिला। साथ ही बरामद नकदी में 33 हजार रुपये 10-10 के सिक्कों में और 4, 800 रुपये 20-20 के सिक्कों में पाए गए। आरोपी दीप के खिलाफ पहले भी 2022 में आबकारी एक्ट और 2024 में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज हो चुके हैं। दोनों आरोपी गांजा तस्करी के साथ-साथ उसकी पुड़िया बनाकर भी बेचते थे।

फिलहाल पुलिस इस गिरोह से जुड़े बाकी लोगों की तलाश कर रही है। अधिकारियों का कहना है कि यह एक बड़ा नेटवर्क है और जल्द ही इसके बाकी सदस्यों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

सकल हिंदू समाज को एक सूत्र में बांधने के लिए हिंदू सम्मेलन का आयोजन

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में हिंदू सनातन संस्कृति को एकजुट करने के लिए विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर बांसी विधानसभा के सनफेरवा खुर्द में राष्ट्रीय स्वयं संघ के विभाग प्रचारक राजीव नयन की अगुवाई में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें सकल हिन्दू समाज के तत्वावधान में आयोजित भव्य हिन्दू सम्मेलन शांतिपूर्ण, अनुशासित एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। सम्मेलन में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही, जिससे संपूर्ण क्षेत्र राष्ट्रभक्ति, सामाजिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव के भाव से ओत-प्रोत दिखाई दिया।कार्यक्रम मुख्य अतिथि अयोध्या धाम के महंथ ऋषभ देव शास्त्री तथा मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक राजीव नयन द्वारा भारत माता के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का विधिवत शुभारंभ किया गया। दीप प्रज्वलन के अवसर पर भाजपा पिछड़ा मोर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष शिवनाथ चौधरी, बांसी ब्लाक प्रमुख प्रत्याशी जितेंद्र मिश्रा, अभिषेक पांडे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव, कार्यक्रम का संचालन राम नारायण त्रिपाठी ने किया। हिंदू विराट सम्मेलन का आयोजन दुर्गा तिवारी के नेतृत्व में कराया गया तो वहीं अमरनाथ सिंह उर्फ सोनू हिंदू सम्मेलन के जिलाध्यक्ष के साथ कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर उमा महेश्वर पांडे , डॉक्टर विनोद त्रिपाठी ने किया। सकल जनसमूह ने 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ आयोजन को ओजस्वी प्रारंभ प्रदान किया। मुख्य अतिथि महंत ऋषभ शास्त्री ने अपने प्रभावशाली संबोधन में कहा कि हिन्दू समाज की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, संगठन और संस्कारों में निहित है। उन्होंने कहा कि जब समाज अपने सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति सजग होकर एकजुट होता है, तभी राष्ट्र सुदृढ़ और सुरक्षित बनता है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सामाजिक दायित्वों के निर्वहन का आह्वान किया। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक राजीव नयन ने अपने विचारोत्तेजक उद्बोधन में कहा कि हिन्दू समाज का मूल स्वभाव समरसता और संगठन है, न कि विभाजन। उन्होंने कहा कि समाज को तोड़ने वाली शक्तियों के विरुद्ध जागरूक और संगठित रहना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हिन्दू समाज किसी के विरोध में नहीं, बल्कि राष्ट्र, संस्कृति और मानवता के संरक्षण के लिए संगठित होता है। नयन ने कहा कि भारत की आत्मा उसकी सनातन संस्कृति में निहित है और संस्कारों से जुड़कर ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं से चरित्र निर्माण, समाज सेवा और राष्ट्रसेवा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाने का आह्वान किया। उनके संबोधन के दौरान पूरा पंडाल 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के गगनभेदी नारों से गूंज उठा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भारत माता की सामूहिक आरती का आयोजन किया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह ने श्रद्धा, अनुशासन और राष्ट्रभक्ति भाव के साथ सहभागिता की। आरती के दौरान संपूर्ण वातावरण देशभक्ति से गुंजायमान हो उठा। अंत में आयोजक सकल हिन्दू समाज द्वारा मुख्य अतिथि, अध्यक्ष, सभी वक्ताओं, कार्यकर्ताओं एवं विशाल जनसमूह के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी ऐसे सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से समाज को संगठित करने का संकल्प दोहराया गया। हिंदू विराट सम्मेलन में मुकेश मौर्या, प्रिंस शर्मा सांसद प्रतिनिधि, हरिशंकर नाथ त्रिपाठी, शिवाकांत पांडे रुद्र नारायण पांडे जितेंद्र त्रिपाठी राजेंद्र दुबे हरिशंकर तिवारी सभाजीत धर द्विवेदी दीपक मौर्य करुणाकर यादव सहित भारी संख्या में महिला , पुरुष , बच्चे, बुजुर्ग भी मौजूद रहे।

राजा भैया के परिवार का विवाद फिर चर्चा में पत्नी भानवी सिंह के दिल्ली आवास पर जनलेवा हमला

बेटी ने कहा- मुझे, मेरी मां और बहन को जान का खतरा

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के कुंडा विधायक और वरिष्ठ नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के परिवार में चल रहा विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है। इसी बीच उनकी बेटी राघवी कुमारी ने कहा कि उनकी मां भानवी सिंह की एमपी-एमएलए कोर्ट (राउज एवेन्यू) में सुनवाई से ठीक एक रात पहले दिल्ली स्थित उनके घर पर जानलेवा हमला हुआ। इस घटना के बाद से उनकी मां, बहन और खुद उनकी जान को खतरा है।

राघवी कुमारी ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं और सुरक्षा व निष्पक्ष जांच की मांग की है। राघवी कुमारी ने अपने नए बयान में कहा कि आधी रात के बाद एक हथियारबंद व्यक्ति उनके दिल्ली वाले घर के बाहर आया। उसका मकसद साफ तौर पर डराना और दहशत फैलाना था। राघवी ने कहा कि यह मामला सिर्फ सुरक्षा का नहीं, बल्कि सच्ची और निष्पक्ष जांच का है। उन्होंने सवाल उठाया कि उस व्यक्ति को किसने भेजा और इस हमले के पीछे कौन है? राघवी के मुताबिक, उन्होंने सफदरजंग थाने में लिखित शिकायत दी है, लेकिन इतने गंभीर मामले के बावजूद अभी तक ईंदर्ज नहीं की गई है। राघवी कुमारी ने बताया कि दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित उनके घर के बाहर एक अज्ञात व्यक्ति ने गेट और कार में आग लगा दी थी। यह घटना उनकी मां की कोर्ट में सुनवाई से ठीक एक दिन पहले हुई। सीसीटीवी फुटेज में एक व्यक्ति पिस्टल लहराते हुए और दीवार फांदने की कोशिश करते हुए दिखाई देता है। राघवी का कहना है कि यह साफ तौर पर जान से मारने की धमकी और डराने की कोशिश थी, लेकिन पुलिस की कार्रवाई बेहद धीमी है।

जिलाधिकारी ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य का किया निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान-2025 के अंतर्गत तहसील नौगढ़ के अन्तर्गत जय किसान इन्टर कालेज सकतपुर सनई तथा मार्डन प्राइमरी स्कूल, करौंदा मसिना का जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी0एन0 द्वारा बीएलओ को निर्देश दिया कि18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे अर्ह मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ें। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान में छूटे हुए मतदाताओं का नाम भी मतदाता सूची में जोड़ने हेतु आवश्यक प्रपत्र लेकर आवश्यक कार्यवाही करें। इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नही होना चाहिए। भारत निर्वाचन आयोग की बेवसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

भाजपा चाहती है देश में झगड़े और फसाद होते रहें, राजनीति चमकती रहे

सरकार की नीतियों पर राकेश टिकैत ने उठाए सवाल

बुलंदशहर **(एजेंसी)**। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने बुलंदशहर पहुंचकर किसानों, राजनीति और शिक्षा व्यवस्था को लेकर केंद्र व राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आज किसान जमीन से नफरत करने लगा है, जबकि किसानों को अपनी जमीन से नफरत नहीं करनी चाहिए। जमीन कभी घाटे का सौदा नहीं होती, लेकिन दिल्ली की कलम बेईमान हो चुकी है, जिसकी वजह से किसान परेशान है।

राकेश टिकैत ने कहा कि किसानों को उनकी फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) नहीं मिल पा रहा है। बिचौलिये किसानों से सस्ते दामों पर फसल खरीद लेते हैं और बाद में वही फसल महंगे दामों पर बाजार में बेचते हैं, जिससे असली मुनाफा किसानों को नहीं मिल पाता। भाजपा नेता संगीत सोम पर अतुल प्रधान द्वारा लगाए गए आरोपों को लेकर टिकैत ने कहा कि ये आरोप सही हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग खुद मीट खाते हैं, वही मीट का विरोध भी करते हैं और उसमें पार्टनरशिप भी निभा रहे हैं। वर्तमान राजनीति पर टिप्पणी करते हुए भाकियू प्रवक्ता ने कहा कि देश में जातिवाद, धर्मवाद और भाषावाद की राजनीति चल रही है और आने वाले समय में यह और बढ़ेगी। इसे रोकने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि किसान संगठन जोड़ने का काम करता है, तोड़ने का नहीं, जबकि सरकार काटने-पीटने और समाज को बांटने का काम कर रही है। राकेश टिकैत ने शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि समाज में अगर प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए तो वह शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में होनी चाहिए। उन्होंने लोगों से अपने बच्चों को पढ़ाने पर जोर देने की अपील की। जम्मू-कश्मीर स्थित श्री माता वैष्णो देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एक्सीलेंस की मान्यता रद्द होने के सवाल पर टिकैत ने कहा कि सरकार का शिक्षा की ओर कोई ध्यान नहीं है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शबरिमला सोना चोरी मामले में निष्पक्ष एजेंसी से जांच कराने की मांग की

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को शबरिमला मंदिर में सोने की चोरी को लेकर मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन की आलोचना की और एक निष्पक्ष जांच एजेंसी से जांच कराए जाने की मांग की।

स्थानीय निकायों के नवनिर्वाचित भाजपा प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए और केरल में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी के मिशन 2026 कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए शाह ने कहा कि जो लोग शबरिमला की संपत्तियों की रक्षा करने में विफल रहे, वे लोगों के धर्म की रक्षा नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि केरल में श्रद्धालुओं की आस्था की रक्षा केवल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ही कर सकती है। गृह मंत्री ने कहा कि शबरिमला में सोने की चोरी केवल केरल के लोगों के लिए ही नहीं बल्कि पूरे देश के श्रद्धालुओं के लिए चिंता का विषय है।

शाह ने कहा कि उन्होंने इस मामले में प्राथमिकी देखी है और जिस तरह से इसे तैयार किया गया है, उससे यह स्पष्ट होता है कि इसका उद्देश्य आरोपियों को बचाना है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) से जुड़े दो व्यक्तियों पर संदेह जताते हुए भाजपा नेता ने पूछा कि ऐसी परिस्थितियों में निष्पक्ष जांच कैसे संभव हो सकती है।

उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस को भी दोषमुक्त नहीं किया जा सकता क्योंकि उसके नेताओं की संलिप्तता के सबूत सामने आए हैं। शाह ने विजयन का जिक्र करते हुए कहा, "मैं मांग करता हूं कि मुख्यमंत्री इस मामले की जांच किसी निष्पक्ष जांच एजेंसी को सौंप दें।

भाजपा विरोध प्रदर्शन और घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाएगी। विजयन, यही लोकतंत्र है और आपको निष्पक्ष जांच एजेंसी को नियुक्त करना ही होगा।"

दो प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक विचारधाराओं पर निशाना साधते हुए शाह ने कहा, "विश्व स्तर पर साम्यवाद का अंत हो चुका है और भारत में कांग्रेस का पतन हो चुका है।" उन्होंने कहा कि केरल का विकास केवल भाजपा सरकार के नेतृत्व में ही संभव है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, "हमारा रास्ता कभी आसान नहीं था। केरल में भाजपा की जीत सुनिश्चित करना एक बहुत बड़ी चुनौती है। हमारा अंतिम लक्ष्य केरल में कमल के चिह्न के तहत सरकार बनाना और भाजपा के मुख्यमंत्री को सत्ता में लाना है।

वाइब्रेंट गुजरात शिखर सम्मेलन से पीएम मोदी का ऐलान कहा- मेरी गारंटी, भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

अहमदाबाद **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कच्छ और सौराष्ट्र के लिए 'वाइब्रेंट गुजरात क्षेत्रीय सम्मेलन' का उद्घाटन किया। साल 2026 में गुजरात के अपने पहले दौरे पर पीएम मोदी ने कहा कि उनकी यह यात्रा 'विकास और विरासत' के मंत्र के साथ शुरू हुई है। उन्होंने बताया कि सोमनाथ मंदिर में पूजा करने के बाद राजकोट में विकास कार्यों को आगे बढ़ाना उनके लिए सौभाग्य की बात है।

पीएम मोदी ने इस सम्मेलन की सफलता पर चर्चा करते हुए कहा कि वाइब्रेंट गुजरात केवल एक मीटिंग नहीं है, बल्कि यह 21वीं सदी के भारत की बदलती तस्वीर है। उन्होंने बताया कि पिछले दो दशकों में इसके 10 संस्करण हो चुके हैं, जिसने निवेश के मामले में दुनिया के सामने एक मिसाल कायम की है। पीएम ने कहा कि अब इस सम्मेलन को क्षेत्रीय स्तर पर लाया गया है ताकि गुजरात के उन इलाकों की ताकत को दुनिया को दिखाया जा सके, जहां विकास की अभी बहुत संभावनाएं बची हैं।

संबोधन के दौरान प्रधानमंत्री ने देश की आर्थिक मजबूती के कई उदाहरण दिए। उन्होंने बताया कि भारत बहुत जल्द दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

पीएम ने गर्व से बताया कि भारत आज दूध उत्पादन और जेनेरिक दवाओं में नंबर वन है। साथ ही, दुनिया की सबसे ज्यादा वैक्सीन भी भारत में ही बनती हैं।

देश में महंगाई नियंत्रण में है और खेती के क्षेत्र में नए रिकॉर्ड बन रहे हैं।

सम्मेलन से पहले पीएम मोदी ने राजकोट की मारवाड़ी यूनिवर्सिटी में एक विशाल व्यापार प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसमें अमेरिका और यूरोप समेत 16 देशों के 110 से ज्यादा खरीदार यहां पहुंचे हैं। करीब 1, 500 समझौतों पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है।

यहां 'रिवर्स बायर-सेलर मीटिंग' हो रही है। इसमें खरीदार एक जगह बैठते हैं और सामान बेचने वाले उनके पास जाकर अपने उत्पादों को दिखाते हैं। ऐसी 1, 800 से ज्यादा मीटिंग्स तय की गई हैं। 26, 000 वर्ग मीटर में फैली इस प्रदर्शनी में अडाणी ग्रीन, एस्सार, टॉरेंट पावर और नायरा एनर्जी जैसी बड़ी कंपनियां हिस्सा ले रही हैं।

'हिजाब' पर फिर गरमाई सियासत, प्रधानमंत्री पद को लेकर ओवैसी-हिमंत सरमा में तीखी जंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक बयान ने देश में नई राजनीतिक बहस छेड़ दी है। ओवैसी ने इच्छा जताई कि वे एक दिन हिजाब पहनने वाली महिला को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहते हैं। इस बयान पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पलटवार करते हुए कहा कि भारत का प्रधानमंत्री 'हमेशा एक हिंदू ही होगा', जिसके बाद दोनों नेताओं के बीच तीखी बहस शुरू हो गई।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब ओवैसी ने महाराष्ट्र के सोलापुर में एक चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के संविधान में केवल एक खास धर्म के व्यक्ति को ही पीएम बनने की अनुमति है, लेकिन बाबासाहेब अंबेडकर का संविधान भारत के हर नागरिक को यह मौका देता है। उन्होंने कहा, 'मेरा सपना है कि एक दिन हिजाब पहनने वाली बेटी इस देश की प्रधानमंत्री बने।'

ओवैसी के इस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए असम के सीएम ने कहा कि भले ही संविधान किसी को भी पीएम बनने से नहीं रोकता, लेकिन भारत एक हिंदू सभ्यता है। उन्होंने विश्वास जताया कि भारत का प्रधानमंत्री हमेशा एक हिंदू व्यक्ति ही बनेगा। रविवार को ओवैसी ने सीएम सरमा के बयान को 'छोटी सोच' वाला बताया और उन्हें याद दिलाया कि उन्होंने संविधान की शपथ ली है। ओवैसी ने कहा कि संविधान में कहीं नहीं लिखा कि पीएम केवल हिंदू ही हो सकता है।

इस बीच, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी सरमा की आलोचना की। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का उदाहरण देते हुए याद दिलाया कि वे एक सिख थे और 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे। मसूद ने कहा कि संवैधानिक पदों पर कौन बैठेगा, यह धर्म तय नहीं कर सकता।

बीजेपी के अन्य नेताओं ने ओवैसी पर सांप्रदायिक राजनीति करने का आरोप लगाया है। बीजेपी प्रवक्ता प्रकाश रेड्डी ने कहा कि ओवैसी जानबूझकर हिजाब का मुद्दा उठाकर तनाव बढ़ाना चाहते हैं।

बीजेपी नेता आरपी सिंह ने तर्क दिया कि दुनिया भर में कई मुस्लिम महिलाएं प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति बनी हैं, लेकिन उन्होंने हिजाब नहीं पहना। उन्होंने ओवैसी को चुनौती दी कि वे पहले अपनी पार्टी में किसी हिजाब पहनने वाली महिला को बड़े पद पर आगे बढ़ाएं।

अटल सेतु से कोस्टल रोड तक मुंबई में इंफ्रा का जाल कैसे बिछाया? फडणवीस के विजन का कमाल

मुम्बई **(एजेंसी)**। पिछले 10 वर्षों में मुंबई की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर, हाउसिंग और पब्लिक सर्विस में हुए भारी निवेश ने मुंबई को एक आधुनिक ग्लोबल शहर के रूप में पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में 'मुंबई ट्रांसफॉर्मेशन' विजन का मुख्य उद्देश्य ट्रैफिक जाम को कम करना और मुंबई को दुनिया के प्रमुख फाइनेंशियल हब के रूप में स्थापित करना रहा है। मुंबई के मास्टर प्लान में सबसे ज्यादा ध्यान यातायात (ट्रांसपोर्ट) पर दिया गया। दशकों से अटकी हुई परियोजनाओं को न केवल मंजूरी मिली, बल्कि उन्हें तय समय के भीतर पूरा भी किया गया।

बड़ी परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए फडणवीस सरकार ने 'मुख्यमंत्री वॉर रूम' बनाया। इसने जमीन अधिग्रहण और पर्यावरण संबंधी रुकावटों को तेजी से दूर किया, जिससे काम की रफ्तार बढ़ी। सस्टेनेबिलिटी पर ध्यान देते हुए इलेक्ट्रिक बसों के बेड़े को बढ़ाया गया और सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स पर निवेश किया गया। आज की मुंबई 10 साल पहले की तुलना में अधिक कनेक्टेड और कुशल नजर आती है। अटल सेतु, कोस्टल रोड और मेट्रो जैसे प्रोजेक्ट्स ने शहर की पहचान बदल दी है। यही कारण है कि अब दूसरे राज्य भी मुंबई के इस विकास मॉडल का अध्ययन कर रहे हैं।

जनता में नहीं मिल सकता

होटल बुलाकर महिला का रेप करने वाले कांग्रेस के पूर्व विधायक राहुल मामकूटथिल गिरफ्तार

कोच्चि **(एजेंसी)**। केरल के पलक्कड़ से एक बड़ी खबर सामने आई है। कांग्रेस के पूर्व विधायक राहुल मामकूटथिल को रेप और गंभीर शोषण के आरोपों के बाद रविवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्हें पलक्कड़ के एक होटल से रात करीब 12:30 बजे हिरासत में लिया गया। कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

यह कार्रवाई तब हुई जब कनाडा में रहने वाली एक महिला ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की तीसरी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत मिलते ही तुरंत कदम उठाया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।पीड़िता ने पुलिस को बताया कि वह सोशल मीडिया के जरिए राहुल के संपर्क में आई थी। उस समय महिला अपनी शादीशुदा जिंदगी में परेशानियों से जूझ रही थी। महिला का आरोप है कि राहुल ने उसे शादी का झांसा दिया और उस पर अपनी शादी तोड़ने का दबाव बनाया।

शिकायत में महिला ने राहुल पर होटल के कमरे में बुलाकर बेरहमी से यौन उत्पीड़न करने, गर्भवती होने पर जबरन गर्भपात के लिए मजबूर करने और पैसे हड़पने का आरोप लगाया। महिला ने यह भी बताया कि जब वह बच्चे के डीएनए टेस्ट की तैयारी कर रही थी, तो राहुल ने अपना सैंपल देने और जांच में सहयोग करने से मना कर दिया था।

महिला ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि जब उसने किसी सार्वजनिक जगह या रेस्टोरेंट में मिलने की बात कही, तो राहुल ने मना कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि वह एक मशहूर व्यक्ति हैं, इसलिए बाहर नहीं मिल सकते। राहुल के कहने पर महिला ने पलक्कड़ के एक होटल में कमरा बुक किया, जहां पहुंचते ही राहुल ने उस पर हमला कर दिया और गलत काम किया।

पुलिस का कहना है कि वे पीड़िता द्वारा दिए गए सबूतों और बयानों के आधार पर बारीकी से जांच कर रहे हैं। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने राहुल मामकूटथिल को पहले ही पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने सुब्रिना जोहल से किया विवाह

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर ने सुब्रिना जोहल से विवाह के बंधन में बंध गए हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की है। 43 साल के पनेसर की पहले गुरशरण रतन से शादी हुई थी, जो एक फार्मासिस्ट थीं। रतन से तलाक के समय वह 31 साल के थे। जोहल ने शादी की फोटो इंस्टाग्राम पर पोस्ट की और कैप्शन में लिखा, 'और बस ऐसे ही... अगले चैप्टर की ओर।'

पनेसर ने यह स्टोरी अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर शेयर की और लिखा, 'मेरा अधूरा हिस्सा।' पनेसर की नई पत्नी के बारे में इंटरनेट पर ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। उनके ट्विटर हैंडल पर देखा जा सकता है कि वह लीसेस्टर, इंग्लैंड में रहती हैं और ऑर्चर्ड मीड एकेडमी की प्रिंसिपल हैं।

पनेसर ने 2006 में विदर्भ क्रिकेट एसोसिएशन ग्राउंड में भारत के खिलाफ सबसे लंबे फॉर्मेट में इंग्लैंड के लिए डेब्यू किया था। अगले साल उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में दो व्हाइट-बॉल फॉर्मेट में अपना पहला मैच खेला। पनेसर ने अपने इंटरनेशनल करियर में 50 टेस्ट, 26 वनडे और एक टी20 आई खेला। उन्होंने टेस्ट में 167 विकेट, वनडे में 24 और टी20 आई में दो विकेट लिए। उनका सबसे शानदार प्रदर्शन 2012-13 में इंग्लैंड के भारत दौरे के दौरान आया था जब उन्होंने तीन मैचों में 17 विकेट लिए थे। इसमें दो बार 5 विकेट लेना शामिल है। इंग्लैंड ने यह सीरीज 2-1 से जीती थी।

टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर नया मोड़ बांग्लादेश के मैचों की मेजबानी को तैयार पाकिस्तान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पुरुष टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले एक बड़ा कूटनीतिक और क्रिकेटिंग घटनाक्रम सामने आया है। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए भारत की यात्रा से इनकार करने वाले बांग्लादेश के लिए अब वेन्यू को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। इसी बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने संकेत दिए हैं कि वह बांग्लादेश के वर्ल्ड कप मुकाबलों की मेज़बानी के लिए तैयार है। यह प्रस्ताव उस समय आया है, जब इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के बीच लगातार बातचीत जारी है।

जियो सुपर की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पीसीबी के सूत्रों ने बताया है कि यदि श्रीलंका में वैकल्पिक वेन्यू उपलब्ध नहीं होते हैं, तो पाकिस्तान बांग्लादेश के मैच आयोजित करने के लिए आगे आएगा। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तान के सभी प्रमुख स्टेडियम कम समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मुकाबले कराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। पीसीबी ने औपचारिक रूप से अपनी इच्छा जाहिर कर दी है, हालांकि अभी तक आईसीसी की ओर से कोई सार्वजनिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने भारत में मैच खेलने को लेकर गंभीर सुरक्षा चिंताएं जताई हैं। यह विवाद उस समय और गहरा गया, जब बीसीसीआई के निर्देशों के बाद तेज़ गेंदबाज़ मुस्तफ़िज़ुर रहमान को आईपीएल से रिलीज़ कर दिया गया।

हालांकि इस फैसले के पीछे कोई स्पष्ट कारण सार्वजनिक नहीं किया गया, लेकिन इसके बाद बांग्लादेश के भारत न जाने के रुख ने क्रिकेट जगत में हलचल मचा दी।

बांग्लादेश सरकार के खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने साफ कहा है कि देश की गरिमा और खिलाड़ियों की सुरक्षा से समझौता नहीं किया जाएगा। एक बैठक के बाद उन्होंने कहा, 'हम क्रिकेट खेलना चाहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय सम्मान, खिलाड़ियों, दर्शकों और पत्रकारों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं।' पहले जवाब से संतुष्ट न होने पर बीसीबी ने आईसीसी को दूसरा औपचारिक पत्र भेजा, जिसमें भारत यात्रा से जुड़े विशेष सुरक्षा जोखिमों का विस्तृत विवरण दिया गया और भारत में होने वाले चार मैचों को श्रीलंका स्थानांतरित करने की मांग की गई।

अब तक आईसीसी ने इस मुद्दे पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। बोर्ड सार्वजनिक रूप से शांत है और आगे स्पष्टीकरण मांग रहा है। इस चुप्पी के कारण बांग्लादेश की भागीदारी और उनके मैचों के आयोजन स्थल को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है, जबकि टूर्नामेंट की तारीखें नज़दीक आ रही हैं। अनिश्चितता के बावजूद, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को अपनी टी -20 वर्ल्ड कप टीम का ऐलान कर दिया। लिटन दास को टीम का कप्तान और सैफ हसन को उप-कप्तान नियुक्त किया गया है। बांग्लादेश को ग्रुप सी में रखा गया है, जहां उसे इंग्लैंड, वेस्ट इंडीज़, इटली और नेपाल के साथ मुकाबले खेलने हैं। फिलहाल उनका पहला मैच 7 फरवरी को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में निर्धारित है।

युवा ऑलराउंडर श्वेता सहरावत की प्रगति से प्रभावित हैं शिखर धवन

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने कहा कि श्वेता सहरावत ने एक खिलाड़ी और एक नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है और उन्हें उम्मीद है कि यह युवा ऑलराउंडर महिला प्रीमियर लीग में (डब्ल्यूपीएल) नई ऊंचाई पर पहुंचने में सफल रहेगी। महिला प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में यूपी वॉरियर्स का प्रतिनिधित्व कर रही सहरावत ने अपने खेल में लगातार सुधार किया है। उन्होंने डब्ल्यूपीएल की 2024 के सत्र में 108 और 2025 में 119 रन बनाए थे।

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) की फ्रेंचाइजी साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ के सह-मालिक धवन ने एक विज्ञप्ति में कहा, '' श्वेता ने एक खिलाड़ी और नेतृत्वकर्ता के रूप में उल्लेखनीय प्रगति की है। उनकी अगुवाई में साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ ने डीपीएल का खिताब जीता जिससे पता चलता है कि वह दबाव में भी अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम है।'' उन्होंने कहा, ''हम यूपी वॉरियर्स के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और आशा करते हैं कि वह इस विजयी मानसिकता को बरकरार रखते हुए डब्ल्यूपीएल ट्रॉफी भी जीतेगी।'' श्वेता ने 2025 में दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी कप्तानी में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने खिताब जीता। उन्होंने फाइनल में 110 रन की मैच विजेता पारी खेली जो इस प्रतियोगिता में उनका सर्वोच्च स्कोर था।

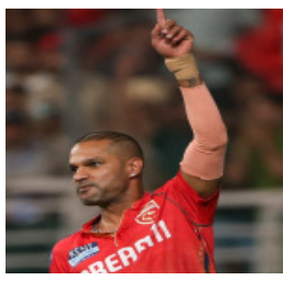

टी20 विश्व कप से बाहर होने पर शुभमन गिल का दर्द

बोले- 'किस्मत पर भरोसा' भारतीय टीम को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल ने टी20 विश्व कप 2026 में टीम से बाहर किए जाने पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। गौतम गंभीर के कोच बनने के बाद से टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के उप-कप्तान रहे गिल को वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय टीम में जगह नहीं मिली। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने चयनकर्ताओं के इस फैसले को स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें अपने भाग्य पर भरोसा है और वे अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह आश्वस्त हैं।

शुभमन गिल ने भारत बनाम न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से पहले कहा कि सबसे पहले, मेरा मानना है कि मैं अपने जीवन में वहीं हूँ जहाँ मुझे होना चाहिए। मेरी किस्मत में जो लिखा है, वो मुझे मिलेगा। एक खिलाड़ी के तौर पर मैं अपनी टीम को जीत दिलाना चाहता हूँ, लेकिन साथ ही मैं चयनकर्ताओं के फैसले का सम्मान करता हूँ। मैं टी20 टीम को शुभकामनाएं देता हूँ। मुझे उम्मीद है कि वे विश्व कप जीतेंगे। पिछले साल एशिया कप से ठीक पहले शुभमन को टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का मौका दिया गया था।

भारतीय प्रबंधन को उम्मीद थी कि यह बहुमुखी बल्लेबाज आक्रामक बल्लेबाजी पंक्ति के साथ खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन करेगा। गिल ने संजू सैमसन की जगह ली, जिन्होंने पिछले 12 महीनों में 3 टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए थे। गिल ने सैमसन की जगह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी की और अपने करीबी दोस्त अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की। यह कदम उल्टा पड़ गया और भारत को अपनी उस सहज और आक्रामक बल्लेबाजी से जूझना पड़ा, जो गौतम गंभीर की कप्तानी में उसकी पहचान बन चुकी थी। अंततः, टी20 विश्व कप से ठीक पहले गिल के प्रयोग को समाप्त कर दिया गया, क्योंकि चयनकर्ता इस बात पर अड़े थे कि सैमसन को बल्लेबाजी क्रम में शीर्ष पर वापस लाना आवश्यक है।

विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया डब्ल्यूपीएल से बाहर, गुजरात जायंट्स को नहीं मिलेगा रिप्लेसमेंट

नवी मुम्बई **(एजेंसी)**। गुजरात जायंट्स (जीजी) की विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 से बाहर हो गई हैं। भाटिया की उपलब्धता को पहले से ही संशय बना हुआ था क्योंकि अक्तूबर में उनकी एसीएल सर्जरी हुई थी।

डब्ल्यूपीएल ने नीलामी से पहले ही तमाम फ्रैंचाइजी को सूचित कर दिया था कि अगर कोई टीम उन्हें खरीदती है तो उनके लिए रिप्लेसमेंट विकल्प नहीं दिया जाएगा। इसके बावजूद जीजी और यूपी वॉरियर्ज ने उनके लिए बोली लगाई और जीजी ने 50 लाख में उन्हें खरीद लिया।

जीजी के कोच माइकल क्लिंगर ने सोशल मीडिया पर फ्रैंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए वीडियो में कहा, 'हम उम्मीद करते हैं कि आप अच्छी होंगी और अच्छी तरह से रिकवर कर रही होंगी। हमें आपके दोबारा फिट होने और डब्ल्यूपीएल के पांचवें सीजन में बेसब्री से आपकी वापसी का इंतजार है।'

शेयर और कमोडिटी बाजार के नियम होंगे सरल सेबी 54 नियमों को बदलने की तैयारी में

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ट्रेडिंग नियमों को सरल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सेबी ने एक नया प्रस्ताव जारी किया है, जिसका मकसद स्टॉक और कमोडिटी एक्सचेंजों में ट्रेडिंग से जुड़े नियमों को आसान बनाना और बाजार के प्रतिभागियों पर अनुपालन का बोझ कम करना है।

सेबी द्वारा जारी कंसल्टेशन पेपर में कहा गया है कि ट्रेडिंग फ्रेमवर्क में मौजूद दोहराव वाले प्रावधानों को मिलाकर एक सरल और एकीकृत ढांचा तैयार किया जाएगा। इसमें प्राइस बैंड, सर्किट ब्रेकर, बल्क और ब्लॉक डील डिस्क्लोजर, कॉल ऑक्शन और लिक्विडिटी बढ़ाने से जुड़ी योजनाओं को शामिल किया गया है।

आधिकारिक बयान के अनुसार, करीब 54 नियमों में बदलाव का प्रस्ताव है, जो इक्विटी और कमोडिटी सेगमेंट दोनों को एक ही ढांचे में कवर करेंगे। इसमें मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ), क्लाइंट कोड, पैन आवश्यकताएं, ट्रेडिंग घंटे और दैनिक मूल्य सीमा जैसे अहम प्रावधान शामिल हैं।

सेबी ने यह भी सुझाव दिया है कि बल्क और ब्लॉक डील से जुड़े डिस्क्लोजर नियमों को आपस में मिलाया जाए और बल्क डील पर अधिक स्पष्टता लाई जाए। इसके अलावा, क्लियरिंग कॉरपोरेशनों से जुड़े नियमों के लिए अलग मास्टर सर्कुलर लाने की योजना है, ताकि रेगुलेटरी ओवरलैप खत्म हो सके।

यह कदम केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की उस घोषणा के अनुरूप है, जिसमें उन्होंने परामर्श प्रक्रिया के जरिए वित्तीय क्षेत्र में अनुपालन को सरल और कम खर्चीला बनाने की बात कही थी।

जीएसटी सुधारों ने आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी को आकर्षक बनाया:वोल्वो कार इंडिया एमडी

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। लक्जरी कार विनिर्माता वोल्वो के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जीएसटी सुधारों के बाद आंशिक-हाइब्रिड एसयूवी ग्राहकों के लिए और भी आकर्षक हो गई हैं। उन्होंने साथ ही कहा कि कंपनी पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और भारत में बेची जाने वाली हर चार कारों में एक इलेक्ट्रिक वाहन है।

वोल्वो कार इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) ज्योति मल्होत्रा ने पीटीआई-को दिए एक ईमेल साक्षात्कार में बताया कि जीएसटी 2.0 का कार्यान्वयन एक महत्वपूर्ण उत्प्रेरक रहा है, और इसने कर संरचना को तर्कसंगत बनाकर लक्जरी खंड को सुव्यवस्थित किया है।

यह पूछने पर कि जीएसटी 2.0 ने ईवी की पैठ को कैसे प्रभावित किया, तो उन्होंने कहा, हमारा पोर्टफोलियो काफी सुसंगत रहा है, और हम हर चार कार में लगभग एक ईवी बेचना जारी रखे हुए हैं।

भविष्य की राह के बारे में उन्होंने कहा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि पूरी तरह इलेक्ट्रिक भविष्य के लिए हमारी प्रतिबद्धता अपरिवर्तित है, और हम इन आंकड़ों को एक स्थिर आधार के रूप में देखते हैं। हम 2026 में अधिक आक्रामक ईवी पेशकश की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि कंपनी ने 2025 में अपने आईसीई (इंटरनल कंबशन इंजन) पोर्टफोलियो को आगे बढ़ाया और प्रमुख मॉडल एक्ससी90 और एक्ससी60 की मासिक बिक्री में जीएसटी सुधारों के बाद दो अंकों की वृद्धि हुई।

युजवेंद्र चहल का खुलासा, कप्तान संजू सैमसन ने मुझे डेथ ओवरों का बेहतर गेंदबाज बनाया

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल ने अपने आईपीएल करियर से जुड़ा एक दिलचस्प खुलासा किया है। चहल ने पूर्व राजस्थान रॉयल्स कप्तान संजू सैमसन को अपने खेल में बड़े बदलाव का श्रेय देते हुए कहा है कि सैमसन की कप्तानी ने उन्हें एक 'बेहतर डेथ ओवर गेंदबाज' बनने में मदद की। आमतौर पर स्पिनरों को अंतिम ओवरों में जोखिम भरा विकल्प माना जाता है, लेकिन संजू सैमसन ने इस सोच को बदला और चहल की भूमिका को पूरी तरह नया आयाम दिया।

एक इंटरव्यू में युजवेंद्र चहल ने बताया कि संजू सैमसन उन चुनिंदा कप्तानों में से थे, जिन्होंने आईपीएल में स्लॉग ओवरों के दौरान स्पिन गेंदबाजों पर भरोसा दिखाया। आम तौर पर टी20 क्रिकेट में डेथ ओवर तेज गेंदबाजों के लिए सुरक्षित माने जाते हैं, लेकिन सैमसन ने चहल को इस चुनौतीपूर्ण भूमिका के लिए तैयार किया। राजस्थान रॉयल्स के प्रमुख स्पिनर के तौर पर चहल को कई बार 16वें से 20वें ओवर के बीच गेंद थमाई गई, जिससे उन्हें दबाव में गेंदबाजी करने का अनुभव मिला।

युजवेंद्र चहल के मुताबिक, लगातार डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने से उनकी सोच, लाइन-लेंथ और वैरिएशन में बड़ा सुधार हुआ।

शुरुआत में यह जिम्मेदारी कठिन थी, लेकिन समय के साथ वह इसमें निखरते चले गए। चहल ने कहा कि संजू सैमसन कभी भी गेंदबाजों पर अनावश्यक दबाव नहीं डालते थे। वह उन्हें अपनी ताकत के अनुसार गेंदबाजी करने की आज़ादी देते थे, जिससे आत्मविश्वास बढ़ा और प्रदर्शन में निरंतरता आई।

2022 से 2024 के बीच युजवेंद्र चहल का राजस्थान रॉयल्स के साथ कार्यकाल बेहद सफल रहा। इन तीन सीज़नों में उन्होंने कुल 66 विकेट झटके और टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज बने। खास तौर पर आईपीएल 2022 में चहल ने 17 पारियों में 27 विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम की और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज बने। डेथ ओवरों में उनकी विकेट लेने की क्षमता ने राजस्थान रॉयल्स को कई करीबी मुकाबलों में बढ़त दिलाई।

युजवेंद्र चहल आज आईपीएल इतिहास के सबसे सफल गेंदबाजों में शुमार हैं। 221 विकेट के साथ वह लीग के सर्वकालिक सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन चुके हैं। उनकी सफलता सिर्फ नई गेंद या मिडिल ओवर्स तक सीमित नहीं रही, बल्कि डेथ ओवरों में भी वह बल्लेबाजों के लिए चुनौती साबित हुए और इसके पीछे संजू सैमसन की कप्तानी का अहम योगदान रहा।

भारतीय अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव

आरबीआई ने 200 अरब डॉलर से नीचे की अपनी बॉन्ड होल्डिंग

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने अपनी विदेशी मुद्रा प्रबंधन रणनीति में एक बड़ा और रणनीतिक बदलाव किया है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारत अब अपनी निर्भरता अमेरिकी डॉलर और वहां के सरकारी बॉन्ड से कम कर रहा है जबकि सोने पर भरोसा बढ़ा रहा है। अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश घटकर 200 अरब डॉलर से भी कम रह गया है

आरबीआई ने अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड में अपनी हिस्सेदारी को तेजी से घटाया है। अब अमेरिकी बॉन्ड में भारत का निवेश घटकर 200 अरब डॉलर से भी कम रह गया है। पिछले एक साल के भीतर आरबीआई ने अपनी हिस्सेदारी में 50 अरब डॉलर से अधिक की कमी की है। जानकार मानते हैं कि डॉलर के उतार-चढ़ाव और वैश्विक भू-राजनीतिक जोखिमों से बचने के लिए भारत यह कदम उठा रहा है।

एक तरफ जहां डॉलर आधारित संपत्तियों को बेचा जा रहा है वहीं दूसरी तरफ आरबीआई अपने सोने के भंडार को लगातार मजबूत कर रहा है। भारत का कुल स्वर्ण भंडार अब बढ़कर 880 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है। सोना हमेशा से ही आर्थिक संकट के समय सबसे सुरक्षित संपत्ति माना जाता है इसलिए आरबीआई धीरे-धीरे अपनी विदेशी मुद्रा के एक बड़े हिस्से को सोने में बदल रहा है।

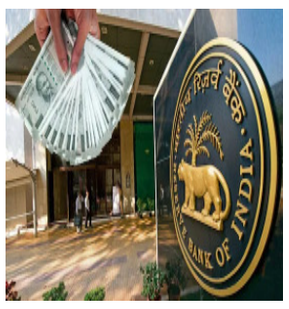

बिग बॉस 19 : दुबई में शोऑफ करने के बाद अपना बर्थडे मनाने निकलीं तान्या मित्तल, पानी की तरह बहाया पैसा

सलमान खान के रिएलटी शो बिग बॉस 19 खत्म हो गया है। हालांकि खत्म होने के बाद भी बिग बॉस 19 के सितारे सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं। हाल ही में बिग बॉस 19 के सितारे सक्सेज पार्टी का जश्न मनाने के लिए दुबई पहुंचे थे। इस दौरान तान्या मित्तल ने अपनी चमचमाती कार में धमाकेदार एंट्री की थी। जिसे बाद प्रेइवेट जेट और प्लेन में घूमती दिखीं। सोशल मीडिया पर तान्या मित्तल ने दावा किया कि अभी पिक्चर बाकी है। यानी साफ है कि बिग बॉस खत्म होने के बाद तान्या मित्तल लोगों को बता रही हैं कि वो झूठ नहीं बोल रही थीं। इसी बीच तान्या मित्तल ने एक बार फिर से सोशल मीडिया की दुनिया को हिलाकर रख दिया है, हाल ही में तान्या मित्तल ने फैंस के साथ एक और वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में तान्या मित्तल अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करती नजर आ रही हैं। वीडियो में तान्या मित्तल अपना बर्थडे केक फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। तान्या मित्तल के सामने तीन चीयर लीडर्स डांस कर रही हैं। इसके अलावा तान्या मित्तल की टेबल पर ढ़ेर सारा खाना रखा नजर आ रहा है।

वीडियो में तान्या मित्तल ग्रीन कलर की साड़ी पहने दिख रही हैं। जिसके साथ तान्या मित्तल ने शानदार नेकपीस पहना है। तान्या मित्तल ने इस वीडियो में जमकर पोज दिए। तान्या मित्तल को देखकर साप पता चल रहा है कि उन्होंने अपने जन्मदिन के मौके पर काफी रुपए फूंक दिए हैं। फैंस भी तान्या मित्तल की ये अमीरी देखकर चौंक गए हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए तान्या मित्तल ने खुद को जन्मदिन की बधाई दी है। तान्या मित्तल ने लिखा, हैप्पी बर्थडे टू मी।।। तान्या मित्तल की ये वीडियो सामने आते ही उनके फैंस ने उको बधाई देनी शुरू कर दी है। लोग तान्या मित्तल को हैप्पी बर्थडे बोल रहे हैं। वहीं कुछ लोग दावा कर रहे हैं कि तान्या मित्तल ने ये वीडियो शेयर करके अपने हेटर्स की बोलती बंद कर दी है।

तान्या मित्तल बिग बॉस के घर से आने के बाद से ही लोगों को अपनी अमीरी दिखा रही हैं। अपने घर पर मीडिया को बुलाकर तान्या मित्तल ने नाराजगी जाहिर की थी। इस दौरान तान्या मित्तल के परिवार ने भी बताया था कि वो कितने अमीर हैं। मीडिया से बात करने के बाद तान्या मित्तल लगातार घूम रही हैं और अपने फैंस को अपनी अमीरी दिखा रही हैं।

उदयपुर में नूपुर सैनन-स्टेबिन बेन की ग्रैंड वेडिंग, क्रिश्चियन रीति-रिवाज के बाद अब हिंदू रिवाज में फेरे लेंगे कपल!

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन नुपुर सेनन शादी के बंधन में बंध चुकी है। नुपुर ने शनिवार को सिंगर स्टेबिन बेन के साथ क्रिश्चियन रीति-रिवाज से शादी की। इस बीच, सोशल मीडिया पर शादी की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रही है। एक्ट्रेस नुपुर को वाइट गाउन में स्टेबिन के साथ देखा जा सकता है। उदयपुर में दोनों परिवार, खास दोस्त इस वेडिंग में नजर आए। इस दौरान एक्ट्रेस दिशा पाटनी और मौनी रॉय भी जश्न का हिस्सा बनीं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर की है। दिशा-मौनी ने गाउन स्टाइल ड्रैस कैरी की थी।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार दोपहर तक नूपूर और स्टेबिन ने क्रिश्चियन रिति-रिवाज से शादी की है। इसके बाद शाम को एक कॉकटेल पार्टी रखी गई थी जिसमें खास मेहमान शामिल हुए थे। बॉलीवुड इंडस्ट्री से इस शादी में वरुण शर्मा, दिशा पाटनी और मौनी रॉय ही नजर आई। इसके साथ ही कृति सेनन के कथित बॉयफ्रेंड कबीर बहिया ने डायरेक्टर अमर कौशिक और प्रोड्यूसर दिनेश विजान के साथ तस्वीरें शेयर की थी। एक्ट्रेस कृति सेनन अपनी बहन की शादी में खूब नाचती नजर आ रही हैं। कृति ने संगीत सेरेमनी पर बहन और जीजा के स्टेबिन के लिए डांस परफॉरमेंस दी थी। इसके साथ ही नुपुर के पेरेंट्स ने भी बेटी के लिए परफॉर्म किया। सोशल मीडिया पर मेहंदी और संगती से जुड़े तस्वीरें और वीडियो वायरल हो रहे हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक आज रविवार को नुपुर और स्टेबिन उदयपुर में ही हिंदू रिवाज से दोबारा शादी करेंगे। दोनों अग्नि के सामने फेरे लेंगे। नुपुर एक बार फिर दुल्हन बनेंगी। दरअसल, उदयपुर में शादी की सभी रस्में पूरी की जा रही हैं।

नुपुर सेनन और स्टेबिन पिछले कुछ सालों से एक-दूसरे के डेट कर रहे थे। कई पारिवारिक मौकों पर दोनों को साथ देखा गया है। हाल ही में स्टेबिन ने नुपुर को शादी के लिए प्रपोज किया था। कपल ने तस्वीरें और वीडियोज शेयर किए थे। दोनों ही शादीशुदा कपल बन गए हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कपल की तस्वीरें वायरल हो रही है और फैंस पसंद कर रही है।

मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने खेलो इंडिया बीच खेलों में सफलता के लिए जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की सराहना की

जम्मू **(एजेंसी)**। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने रविवार को खेलो इंडिया बीच खेलों में पेनसेक सिलाट में ओवरऑल पुरुष चैंपियन बनने के लिए जम्मू-कश्मीर के खिलाड़ियों की सराहना की। दीव में मशहूर ब्लू फ्लैग-सर्टिफाइड घोगला बीच पर छह दिन तक चले खेलो इंडिया बीच खेल शनिवार को खत्म हो गए।

अब्दुल्ला के ऑफिशियल 'एक्स' हैंडल में कहा गया, "मुख्यमंत्री ने खेलो इंडिया बीच खेल 2026 में दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक जीतने और पेनसेक सिलाट में ओवरऑल पुरुष चैंपियन बनने के लिए जम्मू-कश्मीर की टीम की सराहना की।" उन्होंने कहा कि ये उपलब्धियां खिलाड़ियों के समर्पण को दिखाती हैं और जम्मू-कश्मीर में खेलों की बढ़ती ताकत का सबूत हैं।

'टीएमसी समर्थकों के पास पेट्रोल का एक कैन भी था, सुवेंदु के आरोपों के बाद गृह मंत्रालय सख्त, मांगी गई वीडियो फुटेज और रिपोर्ट

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर मेदिनीपुर मंर हमला हुआ। इसके बाद बीजेपी के नेता हरेक जिले में प्रदर्शन करने लगे। वहीं अब सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हुए हमले को लेकर गृह मंत्रालय सख्त हो गया है। इस कथित हमले के संबंध में मंत्रालय ने उनके कार्यालय से रिपोर्ट मांगी है। बीजेपी ने आरोप लगाया कि शनिवार देर शाम पुरुलिया के पास टीएमसी समर्थकों द्वारा सुवेंदु अधिकारी के काफिले पर हमला किया गया।

सूत्रों के अनुसार सुवेंदु अधिकारी का कार्यालय घटना की वीडियो रिकॉर्डिंग गृह मंत्रालय को भेजेगा। सुवेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि यह घटना रात करीब 8.20 बजे हुई जब वह पुरुलिया से लौट रहे थे। जब उनका काफिला पश्चिम मेदिनीपुर जिले के चंद्रकोना रोड मार्केट इलाके में चार-पॉइंट क्रॉसिंग से गुजर रहा था, तो पार्टी का झंडा लिए कुछ टीएमसी समर्थकों ने कथित तौर पर सड़क जाम कर दी और बांस की लाठियों से उनके काफिले पर हमला किया।

सुवेंदु अधिकारी ने आगे आरोप लगाया कि घटना के समय स्थानीय पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। उन्होंने कहा कि जिस गाड़ी में वह यात्रा कर रहे थे, उसके बुलेटप्रूफ शीशे के कारण उन्हें कोई चोट नहीं आई। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानीय बीजेपी समर्थकों ने अपनी सुरक्षा टीम के साथ मिलकर टीएमसी समर्थकों को हटाया, जिससे हाथापाई हुई। मौके से निकलने के बाद सुवेंदु अधिकारी सीधे बीट हाउस पुलिस चौकी गए और लगभग छह घंटे तक धरने पर बैठ गए। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि पुलिस कथित हमलावरों पर जमानती धाराएं लगा रही है।

सुवेंदु अधिकारी ने शनिवार को पुलिस स्टेशन में मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, 'हम यहां न्याय मांगने आए हैं। मैंने इसमें शामिल लोगों के नाम बताए हैं। प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए और दोषियों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वे बांस की लाठियां लेकर आए थे और दो कारों पर हमला किया, उन्हें नहीं पता था कि मैं किस कार में था। उनके पास पेट्रोल का एक कैन भी था। चुनाव आ रहे हैं, और वे जानते हैं कि वे हार रहे हैं। इसीलिए वे पश्चिम बंगाल से बीजेपी को खत्म करना चाहते हैं।'

सोशल मीडिया पर सुवेंदु अधिकारी ने दावा किया कि यह हमला पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ, जिन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया। सुवेंदु अधिकारी ने पुलिस स्टेशन में अपना लगभग छह घंटे का धरना खत्म किया और घोषणा की कि वह इस मुद्दे पर कलकत्ता हाई कोर्ट जाएंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि मंगलवार को चंद्रकोना में एक विरोध रैली की योजना है।

पूर्व बीजेपी अध्यक्ष और सांसद सुकांत मजूमदार ने कहा, 'सुवेंदु अधिकारी पर हमला पुलिस की मौजूदगी में हुआ। ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं, और यह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री चाहती हैं कि ये हमले हों ताकि, अगर केंद्र सरकार सख्त कार्रवाई करे, तो वह लोगों की सहानुभूति हासिल करके सत्ता में वापस आ सकें। हमें उम्मीद है कि चुनाव से पहले हिंसा नहीं बढ़ेगी, लेकिन अगर ज़रूरत पड़ी, तो अभी केंद्रीय बलों को तैनात किया जाना चाहिए।'

बीएमसी चुनाव : महायुति का 'वचननामा' जारी महिलाओं को 5 लाख का लोन, झुग्गी-मुक्त मुंबई का वादा

मुम्बई **(एजेंसी)**। मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए बीजेपी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और एनसीपी के गठबंधन 'महायुति' ने रविवार को अपना चुनावी घोषणापत्र जारी कर दिया। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। गठबंधन ने मुंबईकरों को लुभाने के लिए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया है।

महायुति ने मुंबई के विकास और सुरक्षा के लिए कई महत्वपूर्ण वादे किए हैं। उनके घोषणापत्र के अनुसार, महिलाओं को अपना काम शुरू करने के लिए 5 लाख रुपये तक का ब्याज-मुक्त लोन दिया जाएगा। शहर को पूरी तरह से झुग्गी-झोपड़ी मुक्त बनाने और बेहतर आवास देने का लक्ष्य रखा गया है। मुंबई में रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करने के लिए आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल का इस्तेमाल किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि जो मराठी लोग मुंबई छोड़कर बाहर चले गए हैं, उन्हें वापस लाने के लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी। घोषणापत्र लॉन्च के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि महायुति केवल राजनीति नहीं, बल्कि हिंदुत्व और विकास को प्राथमिकता देती है। उन्होंने 'जन्म प्रमाण पत्र घोटाले' का जिक्र करते हुए कहा कि अवैध रूप से रह रहे लोगों के लिए 'डिटेंशन सेंटर' बनाने की जमीन मिल गई है और इस पर तेजी से काम चल रहा है।

उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि पिछले साढ़े तीन सालों में उनकी सरकार ने मुंबई के लिए जो काम किए हैं, यह घोषणापत्र उसी विकास को आगे बढ़ाने का रोडमैप है। उन्होंने पुरानी 'पगड़ी' वाली इमारतों के पुनर्विकास का वादा किया और कहा कि जो लोग पहले बीएमसी की सत्ता में थे, उन्होंने शहर के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन महायुति मुंबई की तस्वीर बदल देगी।

ठाणे में पानी की किल्लत कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तस : सुप्रिया सुले

मुम्बई **(एजेंसी)**। राकांपा (एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने राज्य में सत्तारूढ़ महायुति सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भले ही ठाणे को एक 'सभ्य' शहर के रूप में पेश किया जा रहा हो, लेकिन पानी की किल्लत, कूड़ाघरों की कमी और अन्य समस्याएं आज भी जस की तस बनी हुई हैं।

नगर निकाय चुनावों से पहले शनिवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और शिवसेना (उबाठा) के उम्मीदवारों के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सुले ने ठाणे के विकास के लिए बड़े पैमाने पर धनराशि मंजूर किए जाने के सरकारी दावों पर सवाल उठाए।

इस मौके पर राकांपा (एसपी) के विधायक जितेंद्र आव्हाड, पार्टी की ठाणे शहर इकाई के अध्यक्ष मनोज प्रधान, अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

सुले ने कहा कि ठाणे कभी एक छोटा शहर था, लेकिन राज्य और देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग यहां बेहतर जीवन और विकास की उम्मीद लेकर आए, मगर आज उनकी उम्मीदें निराशा में बदल गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ठाणे को 'सभ्य' शहर बताया जाता है, लेकिन पानी, कूड़ाघरों की कमी, तथा शिक्षा व स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याएं अब भी हल नहीं हो पाई हैं।

108 घोड़े, शंख-डमरू की गूंज सोमनाथ में पीएम मोदी ने ऐतिहासिक 'शौर्य यात्रा' से दिया अटूट आस्था का संदेश

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को सोमनाथ में आयोजित 'शौर्य यात्रा' में हिस्सा लिया। यह यात्रा जनवरी 1026 में विदेशी हमलावर महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ मंदिर पर किए गए पहले हमले को 1, 000 साल पूरे हो होने के अवसर में निकाली गई है। यह उत्सव इन 1, 000 सालों में सोमनाथ मंदिर के अटूट विश्वास और बार-बार पुनर्निर्माण की शक्ति को समर्पित है।

प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने आजादी के बाद मंदिर को फिर से बनवाने का संकल्प लिया था। साथ ही, उन्होंने उन योद्धाओं को भी याद किया जिन्होंने सदियों पहले मंदिर की रक्षा के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे।

प्रधानमंत्री एक फूलों से सजी खुली गाड़ी में सवार होकर निकले। उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी मौजूद थे। यात्रा के दौरान पीएम मोदी ने शंख बजाकर लोगों का उत्साह बढ़ाया।

गुजरात पुलिस की माउंटेड यूनिट के 108 घोड़ों ने इस यात्रा की अगुवाई की। ये स्थानीय काठियावाड़ी और मारवाड़ी नस्ल के घोड़े थे, जिन्हें इस खास दिन के लिए 8 महीने तक ट्रेनिंग दी गई थी।

खेड़ा जिले के ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय के करीब 350 छात्रों ने जुलूस का नेतृत्व किया। इन छात्रों ने शंख और डमरू बजाकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

पीएम मोदी ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और वहां मौजूद युवा ऋषिकुमारों (संस्कृत के छात्रों) और कलाकारों से बातचीत की।

यह पूरी 'शौर्य यात्रा' दरअसल 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का एक हिस्सा है। इसका उद्देश्य दुनिया को यह बताना है कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के साहस और बलिदान का प्रतीक है, जो हर विनाश के बाद और भी भव्य रूप में निखर कर सामने आया है।

ट्रंप के एक बयान से मध्य पूर्व में उबाल, क्या ईरान पर एक्शन लेगा अमेरिका? इजरायल अलर्ट पर

यरुशलम **(एजेंसी)**। ईरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक बयान ने दुनिया भर में हलचल मचा दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा कि ईरान के लोग अब 'आजादी की ओर देख रहे हैं' और अमेरिका उनकी मदद के लिए पूरी तरह तैयार है।ट्रंप ने ईरान की सरकार को चेतावनी भी दी है कि वे प्रदर्शनकारियों के खिलाफ ताकत का इस्तेमाल न करें। ट्रंप के इस रुख के बाद ईरान ने आरोप लगाया है कि इन प्रदर्शनों के पीछे अमेरिका का हाथ है।

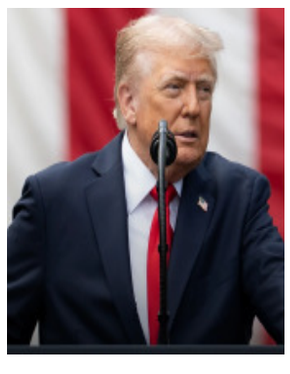

ईरान में बढ़ती हिंसा और अमेरिका के कड़े रुख को देखते हुए इजरायल 'हाई अलर्ट' पर है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायल को अंदेशा है कि अमेरिका ईरान में कोई बड़ी कार्रवाई कर सकता है। इस संभावना को लेकर इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो के बीच फोन पर बातचीत भी हुई है। इजरायल की सुरक्षा एजेंसियां स्थिति पर लगातार नजर रख रही हैं।

ईरान में यह प्रदर्शन दो हफ्ते पहले बढ़ती महंगाई और आर्थिक तंगी के कारण शुरू हुए थे, लेकिन अब यह आंदोलन सरकार को हटाने की मांग में बदल गया है। हिंसक झड़पों में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है। ईरान सरकार का कहना है कि यह सब विदेशी ताकतों की साजिश है, जबकि प्रदर्शनकारी अपनी खराब जीवन स्थितियों और आजादी के लिए सड़कों पर हैं।

ईरान विरोध प्रदर्शन : सड़कों पर खून, अस्पतालों में लाशों के ढेर, ईरान के खौफनाक मंजर देखकर दुनिया हैरान है!

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान में चल रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन अब हिंसक और दर्दनाक मोड़ ले चुके हैं। मेडिकल कर्मियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने जो खबरें दी हैं, वे रूह कपा देने वाली हैं। बताया जा रहा है कि देश के अस्पतालों में घायलों और शवों की इतनी भीड़ है कि मुर्दाघरों में जगह कम पड़ गई है। ईरान के अलग-अलग शहरों से मिल रही रिपोर्टों के अनुसार, सुरक्षा बलों की कार्रवाई में बड़ी संख्या में युवा प्रदर्शनकारी मारे जा रहे हैं। यहां के पोरसीना अस्पताल में एक ही रात में 70 शव लाए गए। मुर्दाघर भरने के बाद शवों को अस्पताल के प्रार्थना कक्ष में जमीन पर एक के ऊपर एक रखना पड़ा।

तेहरान के डॉक्टरों ने बताया कि मरने वाले ज्यादातर 20 से 25 साल के युवा हैं। उनके सिर और दिल में सीधे गोलियां मारी गई हैं। स्थिति इतनी खराब थी कि कई लोगों को इमरजेंसी बेड तक पहुंचने से पहले ही मृत घोषित कर दिया गया।

काशान और शिराज जैसे शहरों से खबर है कि प्रदर्शनकारियों की आंखों में गोलियां मारी गई हैं। घायलों की संख्या इतनी ज्यादा है कि अस्पतालों में ऑपरेशन करने के लिए सर्जन कम पड़ गए हैं।

रिपोर्टों के अनुसार, अब तक 110 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और लगभग 2, 600 लोगों को जेल में डाल दिया गया है। पिछले चार दिनों से ईरान में इंटरनेट लगभग पूरी तरह बंद है, जिससे वहां की सटीक जानकारी बाहर आने में बहुत मुश्किल हो रही है।

यह विरोध प्रदर्शन करीब दो हफ्ते पहले महंगाई और खराब आर्थिक स्थिति के खिलाफ तेहरान से शुरू हुआ था, जो अब 100 से ज्यादा शहरों में फैल चुका है। लोग अब सरकार को हटाने की मांग कर रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कई सरकारी इमारतों और गाड़ियों में आग लगा दी है।

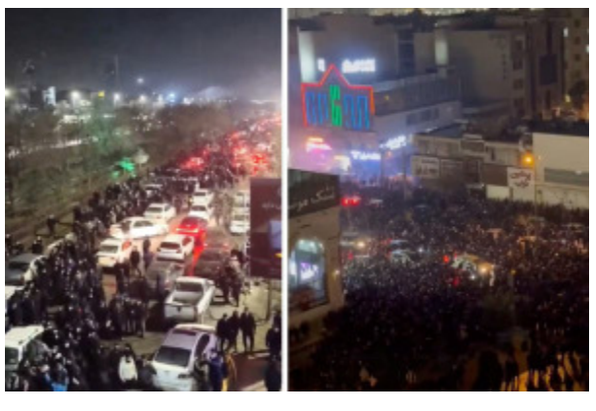

ईरान के सर्वोच्च नेता ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि यह सरकार लाखों लोगों के खून से बनी है और वह किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को 'विनाशकारी तत्व' बताते हुए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की बात कही है। सेना ने भी घोषणा की है कि वह पुलिस के साथ मिलकर प्रदर्शनों को कुचलेगी।

ईरान के पूर्व राजा के बेटे रजा पहलवी ने प्रदर्शनकारियों का हौसला बढ़ाया है। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे शहरों के मुख्य केंद्रों पर कब्जा करें और कहा कि वह जल्द ही ईरान लौट सकते हैं।

इस्लामाबाद में विवाह समारोह के दौरान फटा गैस सिलेंडर, दूल्हा-दुल्हन समेत 8 लोगों की मौत

इस्लामाबाद **(एजेंसी)**। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में रविवार की सुबह शादी समारोह के बाद घर में रखा गैस सिलेंडर अचानक फट गया। इसकी चपेट में आन से 8 लोगों की मौत हो गई, जिसमें दुल्हन और दूल्हा भी शामिल हैं। पुलिस और अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विस्फोट तब हुआ जब शादी में शामिल मेहमान जोड़े के उत्सव के बाद घर में सो रहे थे। इस धमाके से घर का एक हिस्सा ढह गया, जिसके कारण यह हादसा हुआ। इस्लामाबाद पुलिस ने यह जानकारी दी है। इस घटना में 7 अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

पुलिस के बयान में कहा गया कि यह विस्फोट शहर के दिल में स्थित एक आवासीय इलाके में हुआ। सरकारी प्रशासक साहिबजादा यूसुफ ने बताया कि रविवार की सुबह जल्दी इस धमाके की सूचना मिली और अधिकारी अभी भी जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आसपास के कुछ घरों को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने कहा कि जांच अभी जारी है। यह दुखद घटना शादी के उत्सव को मातम में बदल देने वाली एक बड़ी त्रासदी बन गई।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस घटना में जान गंवाने वालों पर गहरा दुख व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना जताई। उनके कार्यालय से जारी बयान के अनुसार, उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देश दिया कि घायलों को बेहतरीन इलाज उपलब्ध कराया जाए और पूर्ण जांच के आदेश दिए। पाकिस्तान के कई घरों में कम प्राकृतिक गैस दबाव के कारण तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलेंडरों का इस्तेमाल किया जाता है और गैस रिसाव के कारण ऐसे सिलेंडरों से जुड़े घातक हादसे अक्सर होते हैं।

पाकिस्तान के सिंध प्रांत में जमींदार ने 23 वर्षीय हिंदू किसान की गोली मारकर हत्या की

लाहौर **(एजेंसी)**। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में एक जमींदार ने अपनी जमीन पर झोपड़ी बनाने के कारण 23 वर्षीय हिंदू किसान की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी। इस घटना के बाद हिंदू समुदाय ने व्यापक विरोध प्रदर्शन किए। बदीन के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कमर रजा जसकानी ने बताया कि पुलिस ने शनिवार रात हैदराबाद से मकान मालिक सरफराज निजामानी और उसके सहयोगी जफरुल्लाह खान को गिरफ्तार कर लिया।

बदीन जिले के तलहार गांव में आश्रय के लिए निजामानी की जमीन पर एक झोपड़ी बनाने के आरोप में चार जनवरी को कैलाश कोहली को गोली मार दी गई थी। जसकानी ने कहा, "आरोपी के घटनास्थल से फरार होने और भूमिगत हो जाने के बाद इस मामले में एक विशेष टीम का गठन किया गया था लेकिन हमने आखिरकार उसे कल रात हैदराबाद के फतेह चौक इलाके से गिरफ्तार कर लिया।" कोहली की हत्या के बाद हिंदू समुदाय में आक्रोश भड़क उठा और उन्होंने इसके विरोध में प्रदर्शन किए। निजामानी नहीं चाहता था कि कोहली उसकी जमीन पर झोपड़ी बनाए। गोली लगने से घायल कोहली ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। इस संबंध में उनके भाई पून कुमार कोहली ने प्राथमिकी दर्ज कराई जिसके बाद पुलिस टीम का गठन किया गया।

सिंध में हिंदू अल्पसंख्यकों के लिए एक कल्याणकारी ट्रस्ट चलाने वाले शिव काची ने कहा, "हिंदू समुदाय द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से बनाए गए जन दबाव के कारण आरोपी की गिरफ्तारी हुई। बदीन में सैंकड़ों लोग विरोध प्रदर्शनों और धरनों के लिए एकत्रित हुए थे।सिंध के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) जावेद अख्तर ओधो ने कोहली के पिता को फोन करके गिरफ्तारी के बारे में सूचित किया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन खत्म हुए।" काची ने निष्पक्ष सुनवाई की उम्मीद जताई ताकि हिंदू समुदाय भयानक अपराधों से सुरक्षित रहे और अधिकारियों पर उनका विश्वास बहाल हो सके।

संयुक्त राज्य अमेरिका ने सीरिया में आईएसआईएस के खिलाफ फिर जवाबी हमले शुरू किए

दमिश्क **(एजेंसी)**। अमेरिका ने पिछले महीने सीरिया में हुए हमले में अपने दो सैनिकों और एक दुभाषिए की मौत के बाद इस्लामिक स्टेट के खिलाफ फिर से जवाबी हमले शुरू किए हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान के अनुसार, अमेरिका और सहयोगी बलों द्वारा किए गए ये व्यापक हमले पूर्वी समयानुसार दोपहर साढ़े 12 बजे के आसपास हुए। इन हमलों में सीरिया भर में इस्लामिक स्टेट के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। शनिवार के हमले एक व्यापक अभियान के तहत किए गए जो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आईएसआईएस के उस घातक हमले के जवाब में शुरू की गई कार्रवाई का हिस्सा है जिसमें पिछले महीने पल्मायरा में सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर, सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड और दुभाषिया अयाद मंसूर सकात की मौत हो गई थी।

अमेरिकी केंद्रीय कमान ने शनिवार को एक बयान में कहा, "हमारा संदेश स्पष्ट हैः अगर आप हमारे सैनिकों को नुकसान पहुंचाते हैं तो हम आपको ढूंढ निकालेंगे और दुनिया में आप चाहे कहीं भी हों आपको मार डालेंगे, फिर चाहे आप कानून से बचने की कितनी भी कोशिश क्यों न करें।

ईरान की अमेरिका और इजरायल को खुली धमकी डोनाल्ड ट्रंप की एक गलती पड़ेगी बहुत भारी

तेहरान **(एजेंसी)**। ईरान और अमेरिका के बीच तनाव अब खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघर गालिबफ ने अमेरिका और इजरायल को सीधी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ईरान पर किसी भी तरह का सैन्य हमला करते हैं, तो ईरान चुप नहीं बैठेगा और इजरायल व अमेरिकी सैन्य ठिकानों को 'वैध निशाना' बनाएगा।

ईरान की संसद (मजलिस) में एक बेहद तनावपूर्ण सत्र के दौरान यह बयान दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, सत्र के दौरान कई ईरानी सांसद चिल्लाते हुए मंच की ओर दौड़ पड़े और 'अमेरिका मुर्दाबाद' के नारे लगाए। सोशल मीडिया पर इस हंगामे के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जो ईरान के भीतर अमेरिका के खिलाफ बढ़ते गुस्से को दर्शाते हैं।

स्पीकर गालिबफ ने अपने संबोधन में हमलों के संभावित दायरों को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि हमले की स्थिति में क्षेत्र (मिडल ईस्ट) में मौजूद सभी अमेरिकी मिलिट्री सेंटर, बेस और उनके मालवाहक जहाज ईरान के निशाने पर होंगे। ईरान ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका की किसी भी कार्रवाई का खामियाजा इजरायल को भी भुगतना होगा।

गालिबफ ने चेतावनी दी कि ईरान केवल हमले का इंतजार नहीं करेगा। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप को 'भ्रमित' बताते हुए कहा कि वे कोई गलतफहमी न पालें, क्योंकि ईरान अपनी रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है। यह कड़ा बयान ऐसे समय में आया है जब ईरान के भीतर सरकार विरोधी प्रदर्शनों के कारण स्थिति पहले से ही अस्थिर है। दूसरी ओर, ट्रंप प्रशासन ने ईरान के खिलाफ अपनी बयानबाजी तेज कर दी है और सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए हैं। ईरान ने इन धमकियों को अपनी संप्रभुता पर हमला बताया है और क्षेत्रीय सहयोगियों को भी आगाह किया है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।

● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।